राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 18 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-179 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन होंगे एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे। रविवार को नई दिल्ली में भाजपा संसदीय दल की बैठक के बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी की घोषणा की। नड्डा ने बताया कि राधाकृष्णन अभी महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। इससे पहले वो झारखंड में भी राज्यपाल रहे हैं। तेलगाना के गर्वनर का भी चार्ज भी इनके पास रहा है। नड्डा ने यह भी बताया कि इनके पास 40 साल के राजनैतिक जीवन का अनुभव है। वो लोकसभा के दो बार सांसद भी रहे हैं। चन्द्रपुरम पोनुस्वामी राधाकृष्णन का जन्म 20 अक्तूबर 1957 को तिरुप्पुर, तमिलनाडु में हुआ। वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रहे हैं और अभी महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद से देश के अगले उपराष्ट्रपति पद के लिए योग्य उम्मीदवार की तलाश चल रही थी। धनखड़ के अंतिम समय में सरकार के साथ उनकी तल्खी को लेकर यह तय हो गया था कि इस बार बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा को मानने वाले किसी नेता को उम्मीदवार चुना जाएगा। 7 तारीख को एनडीए के सभी फ्लोर लीडर की बैठक में इस बात का फैसला लिया गया उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार का चयन पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। जिसके बाद भाजपा आलाकमान ने उम्मीदवार की तलाश शुरू की। आज दिल्ली में करीब 2 घंटे तक चली बीजेपी संसदीय दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी। फिर एनडीए के सभी सहयोगी दलों से राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के बारे में बताया गया। साथ ही यह बताया गया कि उन्हें ही क्यों चुना जा रहा है। इसके बाद जेपी नड्डा ने सीपी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा की।

भारत लौटे शुभांशु शुक्ला बोले- उन लोगों को वहां छोड़कर आने की रह गई कसक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्रा करके इतिहास रचने वाले वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अपना मिशन पूरा कर रविवार तड़के स्वदेश वापस लौट आए हैं। घर वापसी की इस यात्रा के लिए उड़ान भरने से पहले शुक्ला ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपने विचार साझा किए थे। उन्होंने लिखा, भारत वापस आने के लिए विमान में बैठते ही मेरे दिल में कई तरह की भावनाएं उमड़ रही हैं। मुझे उन शानदार लोगों को पीछे छोड़कर आने का दुख है, जो पिछले एक साल से इस मिशन के दौरान मेरे दोस्त और परिवार रहे हैं। मैं मिशन के बाद पहली बार अपने सभी दोस्तों, परिवार और देश के सभी लोगों से मिलने के लिए भी उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यही जिंदगी है... सब कुछ एक साथ। एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर पहुंचे शुक्ला पिछले 41 सालों में अंतरिक्ष पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। नई दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए दिल्ली की मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह समेत उनका पूरा परिवार और तमाम लोग मौजूद थे। शुभांशु ने आगे लिखा, अलविदा कहना थोड़ा मुश्किल होता है लेकिन हमें जिंदगी में आगे बढ़ते रहना चाहिए जैसा कि मेरी कमांडर पैगी कहती हैं कि अंतरिक्ष उड़ान में एक मात्र स्थिर चीज परिवर्तन है। मेरा मानना है कि यह बात जिंदगी पर भी लागू होती है। मुझे आखिरकार लगता है कि यूं ही चला चल राही... जीवन गाड़ी है और समय पहिया है। बता दें भारत के गगन यान मिशन के लिए अनुभव जुटाने के लिए शुभांशु शुक्ला मिशन के साथ अंतरिक्ष में गए थे। यहां पर 26 जून को वह स्पेस स्टेशन से जुड़े, जहां पर उन्होंने कई प्रयोग किए। इसरो के मुताबिक, शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरिक्ष शटल पर कई प्रयोग किए, और उम्मीद है कि इनके निष्कर्षों से गगनयान परियोजना को सीधे तौर पर मदद मिलेगी।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी करेंगे भारत यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीन दौरे से पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी, सोमवार को भारत पहुंच रहे हैं। उनकी दो दिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच विवादित सीमा पर स्थाई शांति और स्थिरता के लिए नए विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा होने की उम्मीद है। मौजूदा जियो-पॉलिटिकल स्थितियों को देखते हुए उनकी ये यात्रा महत्?वपूर्ण मानी जा रही है। खास तौर से भारत के एनएसए अजीत डोभाल संग उनकी होने वाली मुलाकात पर बहुतों की नजर है। वांग की यात्रा को दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों को फिर से ठीक करने के जारी प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। गलवान में 2020 में घातक संघर्ष के बाद भारत और चीन के बीच संबंध बेहद खराब हो गए थे। यह यात्रा इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय आयात पर शुल्क लगाए जाने के कारण भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव बढ़ने के बीच हो रही है। चीनी विदेश मंत्री मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता के एक नए दौर के लिए भारत आ रहे हैं। वांग और डोभाल सीमा वार्ता के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। बता दें कि पिछले साल अजित डोभाल ने चीन का दौरा किया था और वांग यी के साथ सीमा मुद्दे पर बातचीत की थी। इस साल की शुरुआत में डोभाल, जयशंकर और रक्षा मंत्री भी एससीओ की बैठकों के लिए चीन गए थे। दोनों देशों के रिश ?तों में सुधार के बीच इस साल कैलाश मानसरोवर यात्रा भी शुरू हुई है, जो हिंदू ६?मावलंबियों की एक महत्वपूर्ण तीर्थयात्रा है। चीन के विदेश मंत्री विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों पक्ष इस अवसर का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 31 अगस्त और एक सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन यात्रा की जमीन तैयार करने के लिए भी करेंगे। योजना के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी संभवत: 29 अगस्त को जापान की यात्रा पर जाएंगे और यात्रा समाप्त करने के बाद वह 31 अगस्त और एक सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए उत्तरी चीनी शहर तियानजिन जाएंगे।

पीएम मोदी ने 8 लेन एलिवेटेड हाईवे का किया उद्घाटन, जाम से मिलेगी निजात

-पिछली सरकारों ने दिल्ली को बर्बाद किया, नई बीजेपी सरकार कर रही काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के पहले 8 लेन एलिवेटेड हाईवे का उद्घाटन किया। गुरुग्राम से दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट तक बने इस द्वारका एक्सप्रेसवे के साथ अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का भी उद्घाटन हुआ। पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का उद्घाटन किया। इन दोनों प्रोजेक्ट पर 11 हजार करोड़ रुपए की लागत आई है। इस एक्सप्रेसवे से दिल्ली और गुरुग्राम के बीच जाम से लोगों को निजात मिलेगी। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली को हमें विकास का ऐसा मॉडल बनाना है, जहां से सबको महसूस हो कि ये विकसित होते भारत की राजधानी दिल्ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम में पहुंचने से पहले पीएम मोदी द्वारका एक्सप्रेसवे पर पहुंचे। जहां उन्होंने एक्सप्रेसवे पर काम करने वाले मजदूरों से बात कर उनके अनुभव जाने। इसके बाद अधिकारियों से प्रोजेक्ट की जानकारी ली। कार्यक्रम स्थल पर जाते पीएम ने रोहिणी से लेकर बक्करवाला तक रोड शो किया, जिस दौरान हाईवे के दोनों किनारों पर खड़े लोगों का गाड़ी से बाहर निकलकर अभिवादन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता और हरियाणा के सीएम नायब सैनी भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने कहा कि लंबे अरसे के बाद दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनी है। हम देखते हैं कि दिल्ली की पिछली सरकारों ने दिल्ली को बर्बाद किया। मैं जानता हूं कि बीजेपी की नई सरकार को दिल्ली को उबारने में काफी समय लगेगा। पहले तो गड्ढा भरने में टाइम जाएगा फिर कुछ काम दिखेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि पिछले दशकों की समस्याओं को दिल्ली को बाहर ये सरकार निकालेगी।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर परेशानी से दिल्ली वालों को मुक्त करने जा रही है। मुझे खुशी है कि सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की बीजेपी सरकार यमुना की सफाई में जुटी हुई है। अब तक यमुना से सोलह लाख मीट्रिक टन कचरा हट चुका है। बहुत कम समय में दिल्ली में साढ़े छह सौ ईवी इलेक्टिक बसें शुरू की गई हैं। भविष्य में ईवी बसें दो हजार का आंकड़ा पार कर जाएंगी।

पीएम मोदी ने कहा कि ये दोनों सड़कें शानदार बनी हैं। पैरीफेरी एक्सटेंशन के बाद अब दिल्ली अर्बन एक्सटेंशन को बहुत जल्दी सुविधा मिलने वाली है। अर्बन एक्सटेंशन रोड बनाने में लाखों टन कचरा काम में लाया गया, यानी कूड़े के पहाड़ को कम करके सड़क बनाने में किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार ने इसके लिए अलग अलग स्तर पर काम किया है। हमने दस सालों में अभूतपूर्व विकास किए। दिल्ली एनसीआर में मेट्रो के मामले में दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो मार्केट हैं। ग्यारह सालों में दिल्ली एनसीआर में आना जाना पहले के मुकाबले आसान हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा साथियों, दिल्ली को बेहतरीन शहर बनाने का जो बीड़ा हमने उठाया है, वह जारी है। आज भी हम सभी इसके साक्षी बने। उन्होंने कहा- एक्सप्रेस वे का नाम द्वारिका, जहां ये कार्यक्रम हो रहा है उस स्थान का नाम रोहिणी, जन्म अष्टमी का उल्लास, संयोग से मैं भी द्वारिकाधीश की भूमि से हूं। पूरा माहौल कृष्ण मय हो गया है। उन्होंने कहा कि अगस्त का ये महीना आजादी के रंग में क्रांति के रंग में रंगा होता है। आजादी के इस महोत्सव के बीच आज देश की राजधानी दिल्ली देश में हो रही, विकास क्रांति की साक्षी बन रही है। दिल्ली को द्वारिका एक्सप्रेस वे और अर्बन एक्सटेंशन रोड की कनेक्टिवटी मिली। इससे दिल्ली के गुरुग्राम के एनसीआर के लोगों की सुविधा बढ़ेगी। आना जाना आसान होगा, समय बचेगा। जो व्यापारी-कारोबारी वर्ग है, जो हमारे किसान हैं, उनको विशेष लाभ होने वाला है। दिल्ली एनसीआर के सभी लोगों को इस आधुनिक सड़कों के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

भारत को नहीं मिलेगी टैरिफ से राहत, छठे दौर की बातचीत अमेरिका ने टाली

-25 से 29 अगस्त तक होने थी बैठक, रीशेड्यूल बाद में होगा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के रिश्ते अब सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से आने वाले दिनों में भारत को राहत मिलती नहीं दिख रही है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शनिवार को भारत को बड़ा झटका लगा जब अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की छठे दौर की बातचीत टाल दी। ये बैठक दिल्ली में 25 अगस्त से लेकर 29 अगस्त तक होने वाली थी। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने जानकारी दी कि इस दौर का रीशेड्यूल किया जाएगा।

अब तक भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है। छठे दौर की बातचीत होनी थी, लेकिन अब वह स्थगित कर दी गई है। ये बैठक का स्थगन होना भारत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी यानि कुल मिलाकर 50 फीसदी टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका चाहता है कि वह भारत के कृषि और डेयरी सेक्टर में और व्यापार करे, लेकिन भारत की ओर से साफ कह दिया गया है कि वह अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत एक कृषि प्रधान देश है और अगर ऐसे में अमेरिकी बाजार भारत के कृषि बाजार में दाखिल होता है तो इससे बड़ा आर्थिक नुक़सान होगा। अमेरिका और भारत लंबे समय से बड़े स्तर पर व्यापार करते आ रहे हैं। लक्ष्य रखा गया है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पूरा किया जाना है। साथ ही, द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना है।

कठुआ में कुदरत के कहर में अब तक 7 की मौत, भारी तबाही की आशंका, कई घर मलबों में तब्दील, रेस्क्यू जारी

कठुआ(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में फिर कुदरत ने कहर बरपाया। किश्तवाड़ में तबाही के बाद अब कठुआ में बाद फटने से आए सैलाब ने सबको डरा दिया है। किश्तवाड़ में हाल ही में मची तबाही के बाद अब कठुआ जिले में रविवार तड़के बादल फट गया। कठुआ में बादल फटने की घटना में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। कई घर मलबों में तब्दील हो चुके हैं और कई अब भी लापता हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कठुआ इलाके में मौसम की भविष्यवाणी हो चुकी थी लेकिन किसी को यकीन नहीं था कि कुदरत का कहर इस तरह बरपेगा। कठुआ जिले में रविवार तड़के बादल फटा। देखते ही देखते पानी का सैलाब आसपास के इलाकों ओर घरों को बहा ले गया। इस आपदा में सात लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा रेलवे ट्रैक, नेशनल हाईवे और कठुआ थाना परिसर को भी नुकसान पहुंचा है। कठुआ में तीन लोकेशन पर बादल फटे हैं। यही वजह है कि भारी तबाही की आशंका है। रेस्क्यू जारी है।

अधिकारियों के मुताबिक शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि को बादल फटने की यह घटना राजबाग के जोड घाटी गांव में हुई। कठुआ के बगड़ और चंगड़ा गांवों और लखनपुर थाना क्षेत्र के दिलवां-हुटली में भी भूस्खलन की घटनाएं हुई। इसकी वजह से नुकसान की आशंका है। भारी बारिश से ज्यादातर जलाशयों का जलस्तर बढ़ गया है और उझ नदी खतरे के निशान के पास बह रही है। कई घर जलमग्न हो चुके हैं। कई लोग लैंडस्लाइड और बादल फटने से मलबों में दबे हैं। पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम गांव पहुंच गई और लोगों के साथ राहत कार्य में जुट गई है।

बता दें बीते दिनों किश्तवाड़ जिले में भी बादल फटने से भारी तबाही मची थी। किश्तवाड़ के चिशोती इलाके में गुरुवार को बादल फटने के बाद अचानक बाढ़ आ गई थी। उस जगह पर यह घटना हुई, जहां मचैल माता की यात्रा पर जाने वालों के वाहन खड़े होते हैं और कई अस्थायी दुकानें लगी हैं। मचैल यात्रा यात्रा स्थगित कर दी गई है। पुलिस-प्रशासन के अलावा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियां बड़े पैमाने पर राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं।

बिहार में वोट चोरी का सपना पूरा नहीं होने देंगे : राहुल

सासाराम (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में भी महाराष्ट्र तथा कर्नाटक की तरह वोट चोरी की साजिश हो रही है लेकिन अब वह जनता को जगाने के लिए सड़क पर आ गए हैं और इस षड्यंत्र को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

श्री गांधी ने बिहार के सासाराम में रविवार को वोटर अधिकार यात्रा शुरु करने से पहले आयोजित विशाल जन समारोह संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिहार में वोटों की चोरी करने की साजिश है और इसके लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का काम चुनाव आयोग के साथ मिलकर शुरू किया जा चुका है। उनका कहना था कि इस यात्रा से जनता को जागृत कर वह भाजपा के षड्यंत्र पर पानी फेरने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान को मिटाने की कोशिश की जा रही है इसीलिए जब भी चुनाव होते हैं तो भाजपा का षड्यंत्र शुरू हो जाता है। चुनाव अगर विपक्ष जीत रहा है तो इसे रोकने का षड्यंत्र शुरु हो जाता है। चुनाव के सारे अनुमान और चुनाव पूर्व सर्वेक्षण भाजपा के खिलाफ आते हैं लेकिन चुनाव परिणाम अचानक भाजपा की जीत का आता है। श्री गांधी ने साजिश का उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा को कम वोट मिले लेकिन छह माह बाद विधानसभा में एक करोड़ नये वोट जुड़ते हैं और सारे के सारे नए वोट भाजपा को मिल जाते हैं। इलेक्शन कमीशन से कहा कि वीडियोग्राफी दिखाओ तो उन्होंने मना कर दिया गया। कर्नाटक में हमने एक विधानसभा के वोट की तुलना की तो एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट मिले हैं।

उन्होंने कहा 'बिहार की जनता का वोट चोरी नहीं होने देंगे क्योंकि गरीबों के पास सिर्फ वोट है। वोट चोरी चुनाव आयोग करवा रहा है। पहले पता नहीं चलता था कि वोट चोरी हो रही है लेकिन मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका पर्दाफाश किया है। लोगों के वोट काटे जा रहे हैं और चुनाव जीतकर जनता का पैसा 5-6 उद्योगपतियों को दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने हमारे दबाव में जाति जनगणना की बात मानी लेकिन मुझे मालूम है कि वह जाति जनगणना नहीं करेंगे लेकिन हम 50 प्रतिशत की दीवार हटाएंगे और पूरे देश को दिखाएंगे कि हमने जो बोला है वह कर दिखाया है। उनको जाति जनगणना करने के लिए भी मजबूर करेंगे। हम वोट चोरी नहीं होने देंगे।'

यूक्रेन शत्रुता को जल्द शांतिपूर्ण तरीकों से खत्म करना चाहता है रुस: पुतिन

मास्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अलास्का में हुई बातचीत के बाद कहा कि रूस यूक्रेन में शत्रुता को जल्द शांतिपूर्ण तरीकों से खत्म करना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट में क्रेमलिन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक पुतिन ने ट्रंप के साथ अलास्का में हुई बातचीत के बाद रूस के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा कि रूस अमेरिकी प्रशासन के रुख का सम्मान करता है, जो यूक्रेन में शत्रुता को जल्द खत्म करने की जरुरत पर बल देता है।

पुतिन ने कहा कि रूस सभी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीकों से हल करने की इच्छा रखता है। उन्होंने ट्रंप के साथ अलास्का में हुई बातचीत को समय पर और बहुत उपयोगी बताया। पुतिन ने कहा कि इस मुलाकात में रूस-अमेरिका सहयोग के करीब सभी क्षेत्रों पर चर्चा हुई, जिसमें यूक्रेन संकट के निष्पक्ष समाधान की संभावना भी शामिल थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप के साथ बातचीत बहुत अच्छी रही और हमें जरुरी फैसलों के करीब ले गई।

बता दें पुतिन ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन के दौरान कीव के साथ मास्को के युद्ध को खत्म करने की शर्त के रूप में यूक्रेन को पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र से हटने की मांग रखी। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने शनिवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं को फोन करके पुतिन की मांग से अवगत कराया। उन्होंने यूक्रेन और यूरोप से मास्को से युद्धविराम सुनिश्चित करने के प्रयासों को छोड़ने की अपील की।

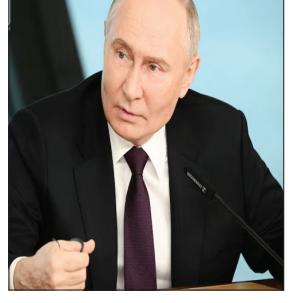

सूची में हेराफेरी का आरोप लगाने वाले सात दिन में सबूत दें, नहीं तो देश से माफी मांगे : चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों की मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर कथित गड़बड़ी के आरोपों को लेकर शपथ पत्र के साथ सात दिन के अंदर सबूत पेश करने, अन्यथा देश से माफी मांगने के लिए कहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को यहां विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''कोई किसी सूची में डेढ़ लाख मतदाताओं के नाम फर्जी होने का आरोप लगा दे, तो क्या आयोग बिना हलफनामे उनको नोटिस जारी कर देगा और उन्हें उप मंडलीय अधिकारी (एसडीएम) के दरवाजे पर चक्कर लगाने के लिए विवश करेगा।'

उन्होंने कांग्रेस नेता श्री गांधी द्वारा कर्नाटक और महाराष्ट्र की सूचियों में गड़बड़ी के लगाये गये आरोपों को लेकर पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप संगीन है और ऐसे विषय में बिना हलफनामे के आयोग कोई कार्रवाई नहीं कर सकता है।'

चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी की उपस्थिति में श्री कुमार ने श्री गांधी के आरोपों पर कहा, 'सात दिन में हलफनामा दें, नहीं तो देश से माफी मांगे। अन्यथा यही माना जाएगा कि ये आरोप निराधार हैं।'' उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार 18 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक को ही वोट देने का अधिकार है तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए स्पष्ट नियम निर्धारित किये गये हैं, जिनका कोई उल्लंघन नहीं कर सकता है। श्री कुमार ने कहा कि कुछ लोग चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रख कर मतदाताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, ''चुनाव आयोग मतदाताओं के अधिकार की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा है।÷ उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग के पंजीकरण के साथ बनते हैं। आयोग न तो किसी के पक्ष में हो सकता है और न विपक्ष में। आयोग के लिए सभी समकक्ष हैं।

उन्होंने महाराष्ट्र की मतदाता सूची के बारे विपक्ष के आरोपों को लेकर कहा कि वहां पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव से पहले सूचियों की सरसरी समीक्षा का मसौदा और चुनाव के समय हर उम्मीदवार को पक्की सूची दी गयी थी, लेकिन आठ महीने तक किसी ने उस पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं करायी थी और अब उसे मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी हलफानामा देने के लिए कोयी तैयार नहीं है।

श्री कुमार ने एक मतदाता द्वारा एक से अधिक स्थानों पर वोट देने, मतदाता सूचियों में पते में शून्य अंकित होने जैसे मुद्दों पर पूछे गये सवालों के जवाब में कहा कि सूची में नाम होने और न होने तथा वोट देने का मुद्दा अलग-अलग है, इन्हें एक साथ जोड़कर चुनाव आयोग के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया कि एक व्यक्ति का चुनाव में दो जगह वोट देना अपराध है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस तरह की बात कर मतदाताओं को बिना किसी साक्ष्य या शपथ-पत्र के अपराधी नहीं बताया जा रहा है? उन्होंने कहा कि सूची में त्रुटि संभव है पर ''मतदान की चोरी का आरोप' संविधान का अपमान है। घर के पते के स्थान पर शून्य दर्ज होने के मामले में उन्होंने कहा, ÷देश में ऐसे बहुत से नागरिक है, जिनके पास घर नहीं है। वे किसी पुल के नीचे, किसी लैंप पोस्ट या बिना पते की जगह पर रहते हैं। वे भारत के नागरिक हैं और उन्हें मतदाता के तौर पर पंजीकरण करवाने का संवैधानिक अधिकार है। ऐसे लोगों के लिए आयोग की कम्प्यूटर प्रणाली में घर के पते की जगह शून्य दर्ज हो जाता है।' श्री कुमार ने कहा कि मलिन बस्तियों या गांव में मकानों पर नंबर नहीं पड़े हैं और उनमें रहने वालों के पते के स्थान पर भी शून्य दर्ज किया जाता है। उन्होंने कहा कि घर के पते के स्थान पर शून्य दर्ज किये जाने को लेकर आपत्ति उठाना गरीबों का अपमान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बायोमेट्रिक वोटर कार्ड में विवादों का हल

बायोमेट्रिक तकनीक में व्यवहार संबंधी विशेषताओं का भी विश्लेषण, व्यक्ति की आवाज़, की-स्ट्रोक या हस्तलेखन शामिल हैं। अक्सर, स्कैन किए गए हस्ताक्षर मतदाता की बायोमेट्रिक प्रोफ़ाइल का हिस्सा होते हैं। सभी बायोमेट्रिक डेटा को पहले एक कैमरे या सेंसर द्वारा एक छवि के रूप में कैप्चर किया जाता है। फिर छवि को एक बायोमेट्रिक टेम्पलेट के ज़रिये डेटाबेस में संगृहीत किया जाता है। इसे प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदाता पहचान पत्र में जोड़ा जा सकता है।

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाज़ी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके।

पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया, मैं घूमने नहीं, बच्चियों का जबरन खतना किये जाने पर रिपोर्टिंग के लिए गया था। गाम्बिया मेनलैंड अफ्रीका का सबसे छोटा देश है। इसकी उत्तरी, पूर्वी, और दक्षिणी सीमा सेनेगल से मिलती है। लगभग 28 लाख की आबादी वाले इस देश की एक-तिहाई जनसंख्या अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे रहती है। दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था, कि यह अफ्रीकी देश काफी पिछड़ा हुआ होगा। लेकिन यह भ्रम वहां की पत्रकार फातो कमारा से मिलने के बाद टूट गया। उन्हीं से जानकारी मिली कि गाम्बिया दुनिया का पहला देश है, जहां मतदाताओं के लिए बायोमेट्रिक कार्ड 2009 में इश्यू किया गया था।

सितम्बर, 2010 में भारत ने आधार कार्ड जारी किया था, जिसे वोटर कार्ड से भी पहचान के वास्ते जोड़ा जाने लगा। लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए अपने आधार नंबर को अपने मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनावी फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी भी कहा जाता है) से जोड़ना स्वैच्छिक बना दिया है। मतदाताओं को अपने कार्ड लिंक करते समय आधार प्रमाणीकरण के लिए अपनी सहमति फॉर्म 6-बी में देना आवश्यक है। एक बार सहमति दे देने के बाद उसे वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है, कि आधार कार्ड होना नागरिकता का प्रमाणीकरण नहीं है। पूरा देश जिस तरह नागरिकता को लेकर बहस में उलझा है, वह भारत में वोटर पहचानपत्र की वैधता पर सवाल खड़ा करता है। क्या भारत में जारी वोटर आई कार्ड दोषपूर्ण है? और यदि है, तो उसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है?

कई देश नागरिकता, या उससे संबंधित पहचान के उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक कार्ड का उपयोग करते हैं। अल्बानिया, ब्राज़ील, नीदरलैंड और सऊदी अरब ऐसे मुल्क हैं, जिनके राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र यात्रा दस्तावेजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानक का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्वे, आइसलैंड और लिश्टेन्टाइन जैसे देश, यूरोपीय संघ के मानकों का पालन करने वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करते हैं। कुछ देश अपनी व्यापक राष्ट्रीय पहचान प्रणालियों में बायोमेट्रिक्स का उपयोग करते हैं, जिन्हें नागरिकता या उनकी रिहाइश से जोड़ा जा सकता है। यूरोपीय संघ के सदस्य देश बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करने के लिए बाध्य हैं, और इन्हें आमतौर पर ईयू और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के भीतर वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में स्वीकार किया जाता है। यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के सदस्य देशों, जिनमें नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया व स्विट्जरलैंड के बीच छोटा सा देश लिश्टेन्टाइन शामिल हैं, उन्हें भी यूरोपीय संघ के नियमों के अनुरूप बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करना आवश्यक है।

कई देशों ने अनिवार्य राष्ट्रीय पहचान प्रणालियां लागू की हैं, जिनमें अक्सर विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक डेटा, जैसे उंगलियों के निशान या चेहरे की पहचान, शामिल होता है। इनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, कोलंबिया, जर्मनी, इटली, पेरू और स्पेन जैसे देश शामिल हैं। अल्बानिया, ब्राज़ील, नीदरलैंड, सऊदी अरब के राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र, यात्रा दस्तावेज़ माने जाते हैं। पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया ने बायोमेट्रिक पहचान पत्र, 'गैम्बीस' लागू किए हैं, जो यात्रा के साथ निवास परमिट भी है। तंजानिया भी, गाम्बिया की तरह चुनावों के लिए बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण को फुलप्रूफ मानता है।

पोलैंड अपनी राष्ट्रीय पहचान प्रणाली में फ़िंगरप्रिंट बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है। भारत केवल आधार प्रमाणीकरण के लिए बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है, जो बैंकों, कोर्ट और विभिन्न उपक्रमों में केवाईसी या रजिस्ट्रेशन के काम आते हैं। राष्ट्रमंडल पर्यवेक्षक समूह ने सिफारिश की है कि राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) जैसी फ़ोटो पहचान प्रक्रिया का उपयोग मतदाता सूची की सटीकता में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है और चुनाव में आम विश्वास बढ़ा सकता है।

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाज़ी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके। यह तकनीक किसी व्यक्ति की पहचान की चोरी, एक से अधिक मतदान, धोखाधड़ी, और हेरफेर के अन्य तरीकों को टारगेट करती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है आंखों की बायोमेट्रिक। आंखों की रेटिना में हेराफेरी अब तक किसी तकनीक के ज़रिये सम्भव नहीं हुआ है। बायोमेट्रिक तकनीक में व्यवहार संबंधी विशेषताओं का भी विश्लेषण, व्यक्ति की आवाज़, की-स्ट्रोक या हस्तलेखन शामिल हैं। अक्सर, स्कैन किए गए हस्ताक्षर मतदाता की बायोमेट्रिक प्रोफ़ाइल का हिस्सा होते हैं। सभी बायोमेट्रिक डेटा को पहले एक कैमरे या सेंसर द्वारा एक छवि के रूप में कैप्चर किया जाता है। फिर छवि को एक बायोमेट्रिक टेम्पलेट के ज़रिये डेटाबेस में संगृहीत किया जाता है। इसे प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदाता पहचान पत्र में जोड़ा जा सकता है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के अनुसार, सर्वेक्षण किए गए 130 देशों में से 25 प्रतिशत देश मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की पहचान के लिए बायोमेट्रिक जानकारी का उपयोग करते हैं। कई मामलों में मैन्युअल सत्यापन शामिल होता है। जैसे कि एक मतदानकर्मी, मतदाता सूची में किसी मतदाता की तस्वीर के आधार पर उसकी उपस्थिति की जांच करता है। बीवीआर का उपयोग मुख्य रूप से अफ्रीका, पश्चिम एशिया, और लैटिन अमेरिका में होना शुरू हो गया है। मोरक्को, कोलंबिया, पेरू, भारत, पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान केवल फ़िंगरप्रिंट स्कैन करते हैं। कई देश दोनों एकत्र करते हैं, जैसे मेक्सिको, नाइजीरिया और मोज़ाम्बिक। ब्राज़ील जैसे अन्य देश तस्वीरों और फ़िंगरप्रिंट के अलावा हस्ताक्षर भी एकत्र करते हैं। ऐसा भी नहीं, कि दुनिया के सारे देश बायोमेट्रिक स्वीकार कर लें। कुछ देशों में बायोमेट्रिक डाटा, सांस्कृतिक मान्यताओं और प्रथाओं का उल्लंघन कर सकता है। मसलन, पापुआ न्यू गिनी में, मतदाता के बारे में इतनी डिटेल जानकारी होती है, जिसके दुरुपयोग का खतरा बना रहता है। बायोमेट्रिक के बारे में नकारात्मक अफवाहें भी फैलती हैं। सवाल उठता है, कि क्या दुष्ट लोग इसके डेटा में संग्रह जानकारी का जादू-टोने में इस्तेमाल कर सकते हैं? उदाहरण के लिए, नाइजीरिया के ग्रामीण इलाकों में कुछ मतदाताओं का मानना है कि बायोमेट्रिक डेटा, जैसे कि उनकी तस्वीर, उन्हें 'शैतानी हरकतों' का शिकार बना सकता है। सोलोमन द्वीप समूह में लोग संदेह करते हैं, कि दुष्ट आत्माओं को अपने शत्रु के शरीर पर सवारी के लिए लोग बायोमेट्रिक तस्वीरों का इस्तेमाल कर सकते हैं। फिर भी, भारत जैसा विविधताओं और बहुसांस्कृतिक देश में जादू-टोना बेमानी है। जिस तरह चुनावी पहचान के दुरुपयोग की बातें समय-समय पर उठती हैं, बायोमेट्रिक वोटर कार्ड एक बेहतर उपाय है!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

वाहन मालिकों को राहत

सुप्रीमकोर्ट ने फिलहाल दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उन वाहन मालिकों को राहत दी है, जिनके वाहनों के खिलाफ पहले कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। दरअसल, प्रदूषण संकट के मद्देनजर इन क्षेत्रों में दस वर्ष से अधिक के डीजल व पंद्रह वर्ष से अधिक के पेट्रोल वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्णय हुआ था। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने ऐसे वाहनों के मालिकों को राहत देते हुए अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई रोकने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट एनजीटी के निर्देश को बरकरार रखने वाले 29 अक्तूबर 2018 के फैसले को वापस लेने की मांग से संबंधित याचिका पर विचार कर रहा था। दरअसल, एनजीटी के आदेश के अनुरूप ही वाहनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए थे। एनजीटी ने आदेशों के अनुपालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल का कोर्ट से आग्रह था कि दंडात्मक कदम रोकने के आदेश पर विचार किया जाए। कोर्ट ने इस बाबत चार सप्ताह में जवाब देने की बात कही है। दरअसल, दिल्ली सरकार की भी ऐसी मंशा थी, जिसने प्रतिबंध को अदालत में चुनौती दी थी। वास्तव में सत्ताधीशों को आशंका थी कि इस फैसले का व्यापक विरोध हो सकता है क्योंकि लोगों को औने-पौने दामों में महंगे वाहन बेचने को बाध्य होना पड़ता। जिससे उपजा आक्रोश ट्रिपल इंजन सरकार के लिये राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है। कोर्ट का यह भी कहना था कि केंद्र सरकार व गुणवत्ता प्रबंधन आयोग गंभीर अध्ययन करें ताकि अवधि आधारित प्रतिबंधों के मुकाबले उत्सर्जन आधारित मानदंडों का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन हो सके। दरअसल, आम मध्यमवर्गीय परिवारों में कार का इस्तेमाल कम होता है और वे अपनी आर्थिक सीमाओं के चलते वाहनों को लंबी अवधि तक बड़े कायदे से रखते हैं। उनका वाहन अधिक वर्षों तक चलता है लेकिन उसके उपयोग की अवधि कम होती है। निस्संदेह, एक आम भारतीय के लिए कार आत्मीय अहसासों का प्रतीक भी है, जिसे वह आमतौर पर जीवन में एक बार ही खरीद पाता है। ऐसे में आत्मीय अहसासों से जुड़ी कार को औने-पौने दामों में बेचना उसके लिये कष्टकारी है। वैसे भी आजकल तमाम लोग भीड़-भाड़ से बचने के लिये टैक्सी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में वाहन लंबे समय तक प्रदूषण रहित जीवन पा सकता है। दरअसल, दिल्ली सरकार का भी मानना था कि वाहनों की समय सीमा संबंधी नीति लागू करते वक्त इसके निर्माण वर्ष के बजाय वास्तविक इस्तेमाल के मानक पर विचार करें। दरअसल, दिल्ली सरकार ने जनाक्रोश के चलते इसे संवेदनशील विषय मानकर अपने नजरिये में बदलाव किया। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों व लोगों के रोष के मद्देनजर इसे क्रियान्वित नहीं किया जा सका था। सरकार ने महसूस किया कि फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी कि कदम समय से पहले उठा लिया गया। इस फैसले के क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालनगत चुनौतियां भी सामने आई। जनाक्रोश के चलते राज्य सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस कार्रवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया। फिर आयोग ने समीक्षा बैठक के बाद फैसले पर फौरी तौर पर रोक लगाई। वैसे भविष्य में भी इस फैसले पर यदि अमल होता है तो सरकार को वाहन मालिकों का गुस्सा झेलना होगा।

क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचायक होता है

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं/)

आज के युग में हर व्यक्ति को जीवन के किसी न किसी पड़ाव में विपरीत परिस्थितियों का निर्माण होने के कारणों में कहीं ना कहीं एक कारण उसका गुस्सा या क्रोध भी होगा। अगर हम अत्यंत संवेदनशीलता और गहनता से उत्पन्न हुई उन परिस्थितियों की गहनता से जांच करेंगे तो हमें जरूर यह कारण महसूस होगा। गुस्से और क्रोध का वह छोटा सा पल ऐसी अनेकों विकराल स्थितियों और परिस्थितियों को पैदा कर देता है, जिसकी हमें उम्मीद भी नहीं रहती और फिर बड़े बुजुर्ग लोग कहते हैं ना कि, जब चिड़िया चुग गई खेत अब पैछतावे का होए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमें उस गुस्से क्रोध के उस पल को काबू में रखने के मंत्र सीखने होंगे जो कि आसान है। सबसे पहले तो हमारी यह सव प्रतिशत कोशिश होनी चाहिए कि उस स्थिति को पैदा ही ना होने दें , जिसके कारण क्रोध या गुस्सा या आक्रोश उत्पन्न हो।परंतु यह भी उचित बात है कि, हम किसी भी परिस्थिति को कितना भी रोके, परंतु स्थिति उत्पन्न हो ही जाती है,या अन्य कोई यह स्थिति उत्पन्न कर ही देता है, तो ऐसी परिस्थिति में सबसे सरल मंत्र है उस परिस्थिति की हर बात,हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता से लें और गुस्से या क्रोध या आक्रोश को जगने से पहले ही तुरंत उसे समाप्त कर दें। उसके लिए सहजता व सरलता इन दो शब्दों या मंत्रों को गांठ बांध के रखना ही होगा।

साथियों जब शरीर क्रोध के आवेग में काबू हो जाता है तो मनुष्य विचार शून्य हो जाता हैं. उसे कुछ भी सूझता नहीं है जैसे मुह में आया बोल दिया अथवा जो हाथ में आया उसे चला दिया जाता हैं. ऐसे करने से बाद में पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ नहीं लगता हैं. यदि आप क्रोध को नियंत्रित नहीं कर पाते है तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, यह आपके ब्लड प्रेशर को अधिक करने के साथ ही कई व्याधियों को जन्म भी दे सकता हैं।क्रोध को कायरता की निशानी भी कहा जाता है, इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी माना गया हैं. जिन्हें विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य एवं साहस की कमी होती है वे क्रोधित होते हैं। यह संताप विकलता की दशा हैं. एक क्रुद्ध व्यक्ति के सोचने समझने और विचारने की शक्ति शून्य हो जाती हैं।साथियों ,मेरा ऐसा निजी मानना है कि जितनी भी विपरीत, हानिकारक, कष्टदाई परिस्थितियां उत्पन्न होती है, उसका मूल कारण गुस्सा, आक्रोश, क्रोध में उठाया गया हिंसात्मक कदम होता है, जिसकी परिणीति में उन विपरीत परिस्थितियों का जन्म होता है।और अगर उन परिस्थितियों, स्थितियों को फलने फूलने के लिए, कथित प्रोत्साहन मिला तो फिर विकराल रूप बन इंसान को सबसे बड़ा और खतरनाक प्राणी बना देता है ,जिसे आज की स्थिति में अपराध के जगत का डॉन या कुख्यात अपराधी की संज्ञा दी जाती है।साथियों, हम अपने रूटीन जीवन के हर क्षण में काफी नजदीकी से देखते होंगे कि कोई भी टॉपिक में, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी विषय में, बात तभी बिगड़ जाती है जब वहां तावबाज़ी अर्थात गुस्सा या क्रोध का जन्म होता है, और बात बढ़ कर कहासुनी, मारपीट, हत्या की कोशिश, हत्या, जख्मी, घायल इत्यादि से पुलिस, जेल , और मामला अदालतों की दहलीज तक जा पहुंचती है। और सामाजिक-आर्थिक नैतिक, हानि, मानहानि अलग होती है। साथियों, सोचिए इतनी भारी कीमत चुकानी होती है, मात्र एक छोटे से पल की जिस पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था। जो भी व्यक्ति उपरोक्त विपरीत प्रक्रिया, गुस्से, क्रोध, से जेल तक में बंदी बनाया जाता है या सजा काटता है या अदालतों के चक्कर काटता है, विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं के पीछे घूमता है, अगर हम उसकी प्रतिक्रिया जानना चाहेंगे तो हमें निर्णय करने में आसानी होगी कि मामला गुस्से और क्रोध की परिणीति का है और कहीं ना कहीं उस व्यक्ति के मन में गुस्से और क्रोध के प्रति पछतावे की बात सामने आती है। गुस्सा और क्रोध से, बदले की भावना का उदय होता है और फिर बदले पर बदला के चक्रव्यूह में अनेक जीवो का जीवन कुचक्र में फंस कर खराब हो जाता है। क्योंकि फिर बदले का अंजाम बहुत दूर तलक जाता है, जो गुटबाजी, गैंगवार सहित बात दूर तलक चली जाती है

साथियों अगर हम अपने क्रोध, गुस्से को काबू में कर पाएंगे तो सहजता और सरलता रूपी मिठास का अपने आप उदय होगा हम स्वाभाविक रूप से मीठा बोलेंगे। हमारी वाणी में मिठास उत्पन्न होगी। चार लोग हमारे करीब आएंगे,और हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मान सम्मान होगा। जिसका प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी, भावी पीढ़ी पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि, बोया बीज बबूल का तो आम कहां से खाए, और बोया बीज मिठास का तो कुल पुरा मीठा होय। हम सामाजिक रुप में भी किसी व्यक्ति या परिवार को उसके कुल से ही कतारते हैं कि, अच्छे कुनबे का परिवार है या अच्छे कुनबे का व्यक्ति है। इसलिए सभी कुभावनाओं, विपरीत विचारों, परिस्थितियों, से ओतप्रोत इस गुस्से और क्रोध,आक्रोश को हीपूरी विपत्ति और कठिनाइयों की जड़ मानेंगे

साथियों उपरोक्त पूरे विवरण को अगर हम संकुचित और कुछ शब्दों या शब्दकोश में सीमित करें तो गुस्सा और क्रोध एक तेज तीखी मिर्ची के समान है ,एक आग के समान है,जिसे फैलने या रोकने के लिए सहजता और सरलता रूपी गुड़ शक्कर या शहद की जरूरत होती है, जो मिर्ची रूपी धास को, आग रूपी तबाही को, सहजता सरलता और मीठी वाणी रूपी पानी से बुझाया जा सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचय होता है। क्रोध से पूरे परिवार के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना को रेखांकित करना समय की मांग है। क्रोध की हर बात और हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता में ही लेना चाहिए ताकि क्रोध और गुस्से पर नियंत्रण हो सके यही मूल मंत्र है।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं।

जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है।

अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

विचार मंथन

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से सबक सीखा कांग्रेस ने

(लेखक- सनत जैन)

- जन यात्रा, पदयात्रा, पंपलेट तथा स्थानीय मीडिया का महत्व

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों की गुलामी से आज़ादी का संघर्ष नहीं था। कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जनता से संवाद करने और जनजागरण का भी आंदोलन चलाया था। उस दौर में अंग्रेजों के प्रभाव में मीडिया पूरी तरह नियंत्रित था। सारा भारत रियासतों से जुड़ा हुआ था। ऐसी स्थिति में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन चलाना संभव ही नहीं था। अंग्रेजी अखबारों की पहुँच आम जनता से दूर थी। सूचनाओं का प्रवाह सत्ता के हिसाब से तय होता था। ऐसी स्थिति में कांग्रेस और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जनता तक पहुँचने का नया रास्ता चुना। प्रादेशिक स्तर का संगठन तैयार किया। स्वतंत्रता आंदोलन के लिए पदयात्राएँ, जन यात्राएँ, छोटे-छोटे पर्चे और स्थानीय भाषाओं में छापे गए समाचार पत्र ही उस समय संवाद का सशक्त माध्यम बना। जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की अलख सभी रियासतों और अंग्रेजी शासन काल के हर हिस्से तक पहुंचने का काम कांग्रेस के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने किया। कांग्रेस के इन्हीं प्रयासों से आज़ादी का संदेश गाँव-गाँव, गली-गली पहुँचा, आंदोलन को व्यापक जनाधार मिला। सभी वर्गों के लोग इस आंदोलन में शामिल हुए, जो अंग्रेजों की किसी न किसी प्रताड़ना से व्यथित थे। आज, स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद, परिदृश्य एक बार फिर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय मीडिया पर वर्तमान सरकार का वर्चस्व इतना बढ़ गया है। सारा मीडिया सरकार के गुणगान में लगा हुआ है। मीडिया में जनता को स्थान नहीं मिल रहा है। मीडिया ने अपनी सवाल करने की भूमिका भी खत्म कर दी है। मीडिया से विपक्ष नदारद है। जो वर्तमान मीडिया है, उसे गोदी मीडिया कहा जाने लगा है। बड़े-बड़े टीवी चैनल और अखबार सरकार की भाषा बोल रहे हैं। आम जनता के असली मुद्दे— महंगाई, बेरोज़गारी, किसान और श्रमिक की पीड़ा—मुख्यधारा के मीडिया से ग़ायब हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि व अपने पूर्वजों से सबक लेकर एक बार फिर स्वतंत्रता आंदोलन के तौर तरीके को अपनाती हुई दिख रही है। राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो पदयात्रा से राहुल गांधी और कांग्रेस का जनता से सीधा संवाद कायम हुआ। यह संवाद न केवल भाषाई विविधता के बीच लोगों तक पहुँचा, बल्कि वर्तमान मीडिया के नियंत्रण के दौर में एक वैकल्पिक मीडिया का राजनीतिक मॉडल भी बन गया। जिस तरह से स्वतंत्रता संग्राम के समय पर्चों और छोटे अखबारों ने अंग्रेजों के खिलाफ आम जनता को आंदोलित किया। अंग्रेजों के प्रति आम लोगों को जो भय था उसे खत्म करने का काम किया। संवाद के नए-नए माध्यम आंदोलनकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने तैयार किये। जिसका प्रभाव आम जनता पर पड़ा और स्वतंत्रता आंदोलन दिन प्रतिदिन तेज होता चला गया। जिसके कारण ताकतवर अंग्रेजों को भारत छोड़कर वापस जाना पड़ा। उसी तरह के प्रयास एक बार फिर कांग्रेस ने सोशल मीडिया, स्वतंत्र यूट्यूब चैनल और जन यात्राएँ, रैली से किया है। ये सभी सरकारी प्रचार एवं गोदी मीडिया को चुनौती दे रही हैं। दरअसल यह प्रयास जनता तक सीधी पहुँच बनाने सबसे प्रभावी तरीका है। राहुल गांधी अब जनता की लड़ाई को लड़ रहे हैं। खुद से जनता को जोड़ रहे हैं। आंदोलन विपक्षी राजनीति के लिए ऑक्सीजन की तरह है। यही कारण है कि कांग्रेस अब रैलियों, जन सभाओं और सोशल मीडिया अभियानों को अपना प्रमुख हथियार बना रही है। जब मीडिया सरकार का पक्षधर बन चुका हो, तब यही रणनीति कांग्रेस और विपक्ष के लिए उसे पुनर्जीवित करने का सबसे कारगर तरीका है। कांग्रेस और राहुल गांधी की यह रणनीति न केवल भाजपा और सरकार के लिए चुनौती है, बल्कि गोदी मीडिया के लिए भी एक चुनौती है। लोकतंत्र के लिए एक उम्मीद की किरण है।

जहां राजनीतिक दल अब जनता की लड़ाई को लड़ने के लिए सड़कों पर आ रहे हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब जनता से सीधा संवाद संगठन और राजनीतिक दल कायम करते है, तब सत्ता की नींव हिलती है, परिवर्तन की लहर तेज हो जती है। 1975 में जयप्रकाश आंदोलन के 50 वर्ष बाद इस तरह का आंदोलन देखने को मिला है। कांग्रेस का यह प्रयोग आने वाले समय की राजनीति को नई दिशा दे सकता है। जिस तरह से कांग्रेस और विपक्षी दल के राजनीतिक दल एकजुट होकर अब जनता की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं उसका मुकाबला कर पाना कोई आसान काम नहीं है। 2014 मे नरेंद्र मोदी एक उम्मीद के रूप में सामने आए थे लोगों ने उन पर पूरी तरह से विश्वास किया था। पिछले 11 वर्षों में यह विश्वास अब अविश्वास में बदल गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफपीआई ने अगस्त में 21,000 करोड़ की निकासी की

- वैश्विक अनिश्चितता और रुपये की कमजोरी मुख्य कारण

नई दिल्ली । अगस्त 2025 के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 20,975 करोड़ रुपए की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे 2025 में एफपीआई की कुल निकासी 1.16 लाख करोड़ तक पहुंच गई है। यह निकासी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, अमेरिकी डॉलर की मजबूती, कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों और रुपये में गिरावट के कारण हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका और अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता ने उभरते बाजारों, विशेष रूप से भारत जैसे देशों में निवेश के प्रति एफपीआई की धारणा को प्रभावित किया है। इसके अलावा डॉलर की मजबूती से रुपये पर दबाव बढ़ा है, जिससे विदेशी निवेश और भी कम आकर्षक हो गया है। बाजार के जानकारों ने कहा` कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक नीतियों में बदलाव के कारण निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। वहीं, कंपनियों के अनुमान से कमजोर तिमाही परिणाम और शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन भी बिकवाली की प्रमुख वजहें हैं। हालांकि कुछ सकारात्मक संकेत भी हैं। अमेरिका-भारत व्यापार तनाव में कमी और अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क को 27 अगस्त के बाद टालने की संभावना से निवेशकों को राहत मिल सकती है।

एयर कनाडा में पहली बड़ी फ्लाइट अटेंडेंट हड़ताल, 623 से अधिक उड़ानें रद्द

मुंबई। कनाडा की सबसे बड़ी एयरलाइन एयर कनाडा 1985 के बाद पहली और सबसे बड़ी फ्लाइट अटेंडेंट हड़ताल का सामना कर रही है। करीब 10,000 केबिन क्रू ने हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे 623 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं और 1 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए हैं। टोरंटो, मॉन्ट्रियल और वैंकूवर जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों को लंबी लाइनों और अफरा-तफरी का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाइट अटेंडेंट्स की सबसे बड़ी मांग 'अनपेड वर्क' यानी बिना भुगतान के किए गए काम के लिए वेतन प्राप्त करना है। वर्तमान में एयर कनाडा कर्मचारियों को केवल विमान उड़ान के दौरान भुगतान करता है। लेकिन बोर्डिंग, सुरक्षा जांच और दो उड़ानों के बीच जमीन पर इंतजार का समय वेतन में शामिल नहीं है। फ्लाइट अटेंडेंट्स चाहते हैं कि वे काम किए गए हर घंटे का भुगतान पाएं, चाहे वह समय विमान में हो या जमीन पर। इसके अलावा वेतन वृद्धि की भी मांग की जा रही है, लेकिन अनपेड वर्क का मुद्दा सबसे अहम है। कनाडा की नौकरी और परिवार मंत्री एयरलाइन और यूनियन के बीच वार्ता कर समझौते का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्षों में सहमति नहीं बन पाई। एयरलाइन ने 'बाइंडिंग आर्बिट्रेशन' लागू करने का सुझाव दिया, जिसमें मध्यस्थ का फैसला अंतिम माना जाएगा और हड़ताल रोक दी जाएगी। यूनियन ने इसे हड़ताल के अधिकार का उल्लंघन बताया और इसे स्वीकार नहीं किया।

डिविडेंड वीक- अगले हफ्ते 90 कंपनियों से निवेशकों को मिलेगा लाभ

मुंबई । शेयर बाजार में डिविडेंड का माहौल गर्म है। 18 अगस्त से 22 अगस्त के बीच निवेशकों के लिए एक सुनहरा मौका आने वाला है, जब करीब 90 कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड (लाभांश) देने जा रही हैं। इसमें दिग्गज ए-ग्रुप कंपनियों से लेकर मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियां भी शामिल हैं। डिविडेंड वीक की शुरुआत 18 अगस्त को होगी। इस दिन आरती इंडस्ट्रीज, ब्राइट ब्रदर्स, जेके पेपर और पावर फाइनेंस कारपोरेशन जैसे नाम डिविडेंड देंगे। 19 अगस्त को अपोलो हॉ` स्पिटल्स, नेटको फार्मा और पावर ग्रिड कारपोरेशन जैसे जैसे दिग्गज कंपनियों की बारी होगी। 20 अगस्त को मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में हलचल देखने को मिलेगी। इस दिन भंसाली इंजी नियरिंग, सेन्को गोल्ड और सुखजीत स्टार्च जैसे शेयर चर्चा में रहेंगे। 21 अगस्त को कोल इं डिया, हिंदुस्तान एयरोनो टिक्स और रिलेक्सो फुटवियर जैसी बड़ी कंपनियां अपने निवेशकों को इनाम देंगी।

चीन से मैग्नेट सप्लाई में रुकावट

- भारतीय ईवी कंपनियों ने खोजे नए विकल्प

मुंबई ।

भारत की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता कंपनियों ने चीन से हैवी रेयर अर्थ मैग्नेट की सप्लाई में आई कमी से निपटने के लिए वैकल्पिक समाधान खोजने शुरू कर दिए हैं। फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए कंपनियां उत्पादन बनाए रखने के लिए तेजी से कदम उठा रही हैं। पहले यह आशंका जताई जा रही थी कि अगस्त में उत्पादन बाधित हो सकता है, लेकिन अब कंपनियों ने विकल्प तैयार कर लिए हैं। बजाज ऑटो ने चीन से लाइट रेयर अर्थ मैग्नेट, जिन्हें हैवी रेयर अर्थ-फ्री मैग्नेट भी कहा जाता है, आयात किए हैं। इनका परीक्षण ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया में चल रहा है। परीक्षण सफल रहने पर बजाज इन मैग्नेट्स को बड़ी मात्रा में मंगाकर अपने मोटर सब-असेंबली में इस्तेमाल करेगी। इन मैग्नेट्स की खासियत यह है कि इन्हें उपयोग करने पर कंपनी को घरेलू मूल्यवर्धन में कोई छूट नहीं लेनी पड़ेगी। एथर एनर्जी भी इसी दिशा में काम कर रही है। कंपनी खुद लाइट रेयर अर्थ मैग्नेट्स की टेस्टिंग कर रही है और साल की आखिरी तिमाही में एआरएआई से मंजूरी लेने की योजना है। टीवीएस मोटर कंपनी के सीईओ ने बताया कि उनकी कंपनी कई विकल्पों पर काम कर रही है, जैसे फेराइट आधारित मैग्नेट, हैवी रेयर अर्थ-फ्री मैग्नेट और बिना मैग्नेट

वाली मोटर टेक्नोलॉजी। साथ ही, कंपनी विभिन्न देशों से सप्लाई सुनिश्चित करने की भी कोशिश कर रही है। यह पहल भारतीय ईवी इंडस्ट्री को चीन पर निर्भरता कम करने और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जा रही है।

आईओसी इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल से बना रहा विमानन ईंधन

नई दिल्ली ।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की पानीपत रिफाइनरी ने इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल से टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय आईएससीसी कोरे सिया प्रमाणन प्राप्त कर लिया है। यह भारत में पहली बार किसी कंपनी ने ऐसा प्रमाणन हासिल किया है। सेफ पारंपरिक जेट ईंधन में 50 फीसदी तक मिलाया जा सकता है, जिससे विमानन क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। भारत ने 2027 से अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए जेट ईंधन में कम से कम 1 फीसदी सेफ अनिवार्य कर दिया है। आईओसी पानीपत रिफाइनरी सालाना 35,000 टन सेफ का उत्पादन करेगी। यह ईंधन मुख्यतः बड़े होटल और रेस्तरां से एकत्रित इस्तेमाल किए हुए तेल से बनेगा। इसके अलावा, कंपनी गुजरात की कोयाली रिफाइनरी में ब्यूटाइल एक्रिलेट उत्पादन के लिए भी बड़ा संयंत्र स्थापित कर रही है और हरित हाइड्रोजन उत्पादन पर भी काम कर रही है। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जीएसटी सुधार और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

- कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव, डॉलर-रुपया विनिमय दर निवेशकों की रणनीति प्रभावित कर सकते हैं

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित जीएसटी सुधारों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर टिकी रहेंगी। अनुमान है कि सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कुछ अहम बदलावों की घोषणा कर सकती है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बन सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जीएसटी प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और सरल बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा सकते हैं। इससे व्यापारियों और कंपनियों को कर अनुपालन में राहत मिलने की संभावना है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। हालांकि, निवेशक सुधारों की प्रकृति और विस्तार से जानकारी मिलने तक सतर्क रुख अपना सकते हैं। यदि सुधार व्यावहारिक और दूरगामी हुए, तो बाजार में और तेजी देखने को मिल सकती है। इसी बीच वैश्विक कारक भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। अमेरिका और चीन की आर्थिक स्थिति, फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और डॉलर-रुपया विनिमय दर जैसे कारक निवेशकों की रणनीति को प्रभावित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक हो सकता है। निवेशकों को सतर्क रहकर निर्णय लेने की सलाह दी जा रही है, खासकर तब जब घरेलू नीति और वैश्विक घटनाएँ दोनों ही मोर्चों पर हलचल तेज है।

रियलमी पी4 और रियलमी पी4 प्रो जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारत में रियलमी कंपनी आगामी 20 अगस्त को अपनी नई स्मार्टफोन सीरीज रियलमी पी4 और रियलमी पी4 प्रो लॉन्च करेगी। यह हैंडसेट डुअल चिपसेट टेक्नोलॉजी के साथ आएगा। रियलमी पी4 प्रो के टीजर से पता चलता है कि इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 और हायपर विजन एआई चीप का संयोजन होगा। यह स्मार्टफोन 7000 एमएएच की बैटरी और 80वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया जाएगा। लॉन्च के बाद इसे फ्लीपकार्ट पर खरीदा जा सकेगा। फ्लीपकार्ट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रियलमी पी4 प्रो में 144 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला 4डी क्रूव्ड प्लस डिस्प्ले होगा,

जिसकी पीक ब्राइटनेस 6500 निट्स तक होगी। स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 को 4एनएम टीएसएमसी प्रोसेस पर बनाया गया है और यह अंतूतू बेंचमार्क पर लगभग 11 लाख अंक प्राप्त कर चुका है। यह चिपसेट मल्टीटास्किंग और हाई-परफॉर्मेंस टास्क को आसानी से संभालने में सक्षम है।

रियलमी पी4 में भी डुअल चिपसेट का फीचर मिलेगा, लेकिन इसमें मीडियाटेक डायमेंसिटी 7400 अल्ट्रा 5जी चिपसेट के साथ पिक्सलवर्क विजूअल प्रोसेसर का उपयोग किया गया है, जो बेहतर विजुअल परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। रियलमी पी4 प्रो में एक डेडिकेटेड ग्राफिक्स चिपसेट भी दिया जाएगा, जिससे गेमिंग और ग्राफिक्स अनुभव और बेहतर होगा। कीमत के मामले में कंपनी ने संकेत दिया है कि रियलमी पी4 प्रो की कीमत 30 हजार रुपये से कम होगी।

विदेशी बाजारों में मजबूती से घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सुधार

- मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह विदेशी बाजारों में तेल-तिलहन के भाव में मजबूती के कारण घरेलू बाजार में भी सरसों तेल, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल की कीमतों में सुधार दर्ज हुआ। हालांकि, सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई क्योंकि सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) की स्थानीय मांग कमजोर रही। सोयाबीन तिलहन के दामों का सीधा संबंध डीओसी के बाजार से है, जो सोयाबीन से लगभग 82 प्रतिशत निकलता है। डीओसी के मजबूत दामों से सोयाबीन तिलहन को सहारा मिलता है, लेकिन ऊंचे दामों के कारण इसकी स्थानीय मांग कम बनी हुई है। विशेषज्ञों ने इसके लिए स्थानीय बाजार के विकास की जरूरत बताई है। मिलावटी बिनौला खल की समस्या ने भी तेल-तिलहन कारोबार को प्रभावित किया है। इससे किसानों को शुद्ध बिनौला खल के लिए उचित दाम नहीं मिल पा रहे हैं, जो कपास उत्पादन पर भी असर डाल सकता है। इस समस्या को लेकर संसद में भी रोक लगाने की मांग उठी है। सरकार ने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी की है, जिससे कच्चा पामतेल के लिए 20 रुपये और सोयाबीन डीगम के लिए 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए गए हैं। इससे आयातित तेलों की कीमतों में वृद्धि हुई और घरेलू तेलों की कीमतों को मजबूती मिली। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे, जबकि कमजोर आवक के कारण बिनौला तेल के दामों में सुधार देखा गया। सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपये बढ़कर 7,275-7,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सीपीओ तेल के दाम में 420 रुपये और पामोलीन तेल में 400-500 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कुल मिलाकर, विदेशी बाजारों की मजबूती और सरकारी नीतियों के कारण घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सुधार का रुख जारी है।

12-18 महीनों में हो सकती है क्लासिक लीजेंड्स की आईपीओ लिस्टिंग

मुंबई । महिंद्रा समूह समर्थित क्लासिक लीजेंड्स अगले 12 से 18 महीनों में सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध हो सकती है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि लिस्टिंग अब एक वास्तविकता है और इसके पीछे केवल पूंजी जुटाना उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक वैश्विक ब्रांड निर्माण की दिशा में कदम है। फिलहाल कंपनी के पास 875 करोड़ की पूंजी है और तत्काल फंडिंग की जरूरत नहीं है। क्लासिक लीजेंड्स का ब्रिटेन में इलेक्ट्रिक वाहन अनुसंधान केंद्र पहले से तैयार है, लेकिन ईवी बाजार में एंट्री तभी होगी जब चार्जिंग ढांचा मजबूत होगा। इस प्रोजेक्ट को ब्रिटिश सरकार का समर्थन प्राप्त है। अे धिकारी ने यह भी कहा कि बीएसए ब्रांड को पहले ब्रिटेन और फिर भारत में उतारना एक रणनीतिक और साहसिक निर्णय था। उनका मानना है कि दुनिया को एक भरोसेमंद मध्यम-बाजार मोटरसाइकिल ब्रांड की जरूरत है।

सेंसेक्स की पांच कंपनियों का मार्केट कैप 60,675.94 करोड़ बढ़ा

- एसबीआई और एचडीएफसी बैंक को सबसे ज़्यादा फायदा

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में तेजी के चलते सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण में कुल 60,675.94 करोड़ की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 739.87 अंक बढ़ा, जबकि निफ्टी में 268 अंक की वृद्धि हुई। बाजार में छुट्टियों के कारण कारोबार के सत्र कम थे, फिर भी निवेशकों का भरोसा बना रहा। एचबीआई का बाजार पूंजीकरण 20,445.82 करोड़ बढ़कर 7,63,095.16 करोड़ हो गया, जो इस सप्ताह की सबसे बड़ी बढ़त रही। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 14,083.51 करोड़ बढ़कर 15,28,387.09 करोड़ हो गई। इसके अलावा इन्फोसिस का मार्केट कैप 9,887.17 करोड़ बढ़ा और यह 6,01,310.19 करोड़ पर पहुंच गया। भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी क्रमशः 8,410.60 करोड़ और 7,848.84 करोड़ की बढ़त दर्ज की। इसके विपरीत, एलआईसी को सबसे अधिक नुकसान हुआ। उसका बाजार मूल्यांकन 15,306.50 करोड़ घटकर 5,61,881.17 करोड़ रह गया। बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएच और हिंदुस्तान यूनिलीवर को भी घाटा हुआ। मार्केट कैप के आधार पर शीर्ष कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर

बनी रही, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएच, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। इस सप्ताह के सकारात्मक संकेत निवेशकों के लिए उत्साहजनक रहे, विशेषकर बैंकिंग और आईटी क्षेत्र में।

1 अक्टूबर से यूपीआई पर आम यूजर्स के लिए कलेक्ट रिक्वेस्ट बंद

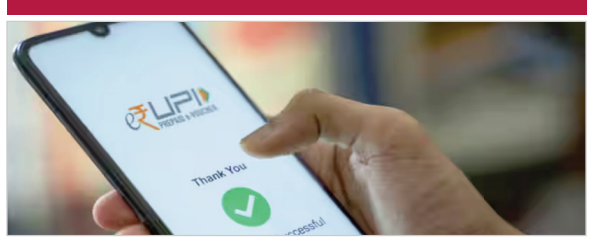

अब एक आम व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट के जरिए पैसे नहीं मांग पाएगा

नई दिल्ली ।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने ऑनलाइन ठगी रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 1 अक्टूबर, 2025 से यूपीआई पर आम यूजर्स के लिए पीयर-टू-पीयर कलेक्ट रिक्वेस्ट बंद करने का फैसला किया है। कलेक्ट रिक्वेस्ट एक ऐसा फीचर था जिससे कोई भी यूजर अपने दोस्त या रिश्तेदार से पैसे मांग सकता था। उदाहरण के तौर पर अगर किसी दोस्त को 500 वापस लेने होते थे तो वह यूपीआई ऐप के जरिए कलेक्ट रिक्वेस्ट भेजता था और जैसे ही पैसा मांगा गया व्यक्ति अपने पिन से उसे मंजूरी देता, पैसा उसके खाते में ट्रांसफर हो जाता था। हालांकि, इस सुविधा का गलत फायदा उठाकर धोखेबाज लॉटरी, कैशबैक, या नौकरी के बहाने फोन कर यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट भेजकर फ्रॉड करते थे। वे कहते थे कि आपके खाते में पैसा आने वाला है, बस रिक्वेस्ट अप्रूव कर दें। जैसे ही पीड़ित अपना यूपीआई पिन डालता, उसके खाते से पैसा धोखेबाजों के खाते में चला जाता था। एनपीसीआई ने इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए आम यूजर्स के लिए कलेक्ट रिक्वेस्ट बंद करने का कदम उठाया है। इसका मतलब है कि अब एक आम व्यक्ति दूसरे आम व्यक्ति से यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट के जरिए पैसे नहीं मांग पाएगा। इस बदलाव का रोजमर्रा के यूपीआई पेमेंट पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दुकानें, कंपनियां और वेरिफाइड व्यवसाय अभी भी कलेक्ट रिक्वेस्ट भेज सकेंगे। यूजर्स क्यूआर कोड, मोबाइल नंबर या यूपीआई आईडी के जरिए पेमेंट करना जारी रख सकते हैं। इस कदम से आम यूजर्स के पैसे पहले से ज्यादा सुरक्षित हो जाएंगे और गलती से फ्रॉड रिक्वेस्ट को अप्रूव करने का डर खत्म होगा। यूपीआई पर यह बदलाव सुरक्षा बढ़ाने के लिए अहम कदम माना जा रहा है।

भारत की सॉवरेन रेटिंग के बाद 10 प्रमुख वित्तीय संस्थानों की रेटिंग भी बढ़ी

- भारत के 10 साल के बॉन्ड यील्ड में दो महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार के एक दिन बाद ही एजेंसी ने भारत के 10 प्रमुख वित्तीय संस्थानों की रेटिंग में भी सुधार किया है। इसमें एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक शामिल हैं। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, टाटा कैपिटल और एलएंडटी फाइनेंस जैसी वित्तीय कंपनियों की भी रेटिंग बढ़ाई गई है। रे टिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, बेहतर वित्तीय प्रणाली और खराब कर्जों की वसूली में सुधार से इन संस्थानों की स्थिति मजबूत हुई है। एजेंसी को भरोसा है कि ये संस्थान देश की घरेलू मांग और निवेश वृद्धि का पूरा लाभ उठाएंगे। रेटिंग अपग्रेड की खबर से वित्तीय बाजारों में भी सकारात्मक असर पड़ा। भारत के 10 साल के बॉन्ड यील्ड में दो महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, और यह 6.38 फीसदी तक पहुंचा। वहीं, रुपया भी थोड़ा मजबूत होकर 87.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारत ने राजकोषीय अनुशासन और समावेशी विकास में संतुलन कायम किया है। एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, जिसे उपभोक्ता मांग और सरकारी खर्च से समर्थन मिलेगा। एजेंसी ने यह भी कहा कि अमेरिकी टैरिफ का अल्पकालिक असर हो सकता है, लेकिन भारत का दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टिकोण मजबूत बना रहेगा।

एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से माइलेज और तकनीकी समस्याएं, विशेषज्ञ चिंतित

- वाहनों की माइलेज में करीब 7 फीसदी तक की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारत में वाहनों के लिए 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) के उपयोग को लेकर माइलेज और तकनीकी समस्याओं पर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर कई वाहन मालिकों ने शिकायत की है कि इस ईंधन के कारण उनके वाहनों की माइलेज में करीब 7 फीसदी तक की गिरावट आई है। साथ ही, कुछ लोगों ने इंजन के रबड़ और धातु के कलपुर्जों के जल्दी खराब होने की आशंका भी जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि एथनॉल की हाइग्रोस्कोपिक प्रकृति यानी नमी को सोखने की क्षमता इसका प्रमुख कारण है। ऑल इंडिया पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने बताया कि अगर पेट्रोल पंप के भूमिगत टैंक में पानी चला जाए, तो एथनॉल उससे घुलकर ईंधन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। इससे वाहन की परफॉर्मेंस पर

असर पड़ सकता है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि ई20 का उद्देश्य प्रदूषण कम करना, किसानों की आय बढ़ाना और आयात पर निर्भरता घटाना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भी माना कि ई20 से माइलेज में थोड़ा अंतर हो सकता है, लेकिन इसे स्वच्छ और स्वदेशी ऊर्जा के लिए जरूरी कदम बताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रेविस को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल करने सीएसके ने कोई गलत तरीका नहीं अपनाया : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि 2025 आईपीएल सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेवाल्ड ब्रेविस की खरीदारी में किसी प्रकार का गलत तरीका नहीं अपनाया था। अश्विन ने कहा कि सीएसके ने रिप्लेसमेंट नियम का बेवजह लाभ नहीं उठाया है। वहीं अश्विन ने पहले आरोप लगया था कि ब्रेविस को खरीदने के लिए सीएसके ने रिश्वत दी थी। जिसे सीएसके ने खारिज कर दिया था। सीएसके ने एक बयान जारी कर साफ कर दिया कि फ्रैंचाइजी ने ब्रेविस को खरीदने के लिए किसी को पैसा नहीं दिया।

वहीं अब अश्विन को इस मामले पर अपनी सफाई देनी पड़ी है। उन्होंने कहा ÷हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहां हमें सच्ची कहानियों पर भी स्पष्टीकरण देना पड़ता है। ऐसे में यहां किसी की कोई गलती नहीं है। इस मामले पर स्पष्टीकरण इसलिए दिया गया है क्योंकि बहुत से लोगों को संदेह है। मुद्दा यह है कि खिलाड़ी की कोई गलती नहीं है, फ्रैंचाइजी की कोई गलती नहीं है, और शायद गवर्निंग बॉडी की भी कोई गलती नहीं है। हम सभी को यह समझना होगा कि अगर किसी फ्रैंचाइजी को किसी खिलाड़ी की जरूरत होती है, तो फ्रैंचाइजी उस खिलाड़ी या खिलाड़ी के एजेंट से बात करती है और बीसीसीआई से कहती है, देखिए, हमारा एक खिलाड़ी चोटिल है, हमें एक खिलाड़ी चाहिए। मामला यहीं समाप्त हो जाता है।

उन्होंने साथ ही कहा, ÷आईपीएल या जिन्हें मंजूरी देनी होती है, वे मंजूरी दे देते हैं और खिलाड़ी आकर खेलता है। अगर यहां कोई गलती होती, तो वह खिलाड़ी फ्रैंचाइजी में नहीं खेलता। यह ब्रेविस के बारे में नहीं है; आमतौर पर ऐसा ही होता है। एक और बात है जो मैं समझाना चाहता हूं। वीडियो में मेरा इरादा यह बताना था कि ब्रेविस कितनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। हमें यह समझना होगा कि आईपीएल में खेलने वाले हर खिलाड़ी का एक त्रि-भागीय अनुबंध होता है, खिलाड़ी, फ्रैंचाइज़ी और आईपीएल का।÷

अंत में उन्होंने कहा, तो अगर इसमें कुछ गड़बड़ है, तो इसे मंजूरी नहीं मिलेगी। आईपीएल में चोट के कारण रिप्लेसमेंट में जो लचीलापन है, उसका हर कोई फायदा उठा रहा है। केवल चेन्नई सुपर किंग्स ने ही रिप्लेसमेंट नहीं चुना है; कई और टीमें भी हैं।

यश ढुल का शतक, सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को हराया

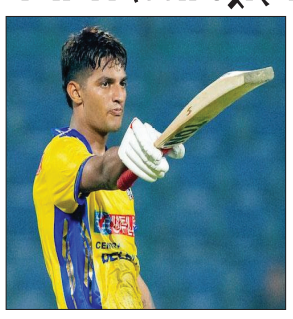

नई दिल्ली (एजेंसी)। यश ढुल के शानदार शतक की बदौलत सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के बारिश से प्रभावित मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 15 रन से हरा दिया। ढुल ने 56 गेंद पर 101 रन बनाए जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल हैं।

युगल सैनी ने 28 गेंदों में 63 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया जिससे सेंट्रल दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में सात विकेट पर 197 का विशाल स्कोर खड़ा किया। स्ट्राइकर्स के लिए हर्षित राणा ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और चार ओवर में सिर्फ़ 35 रन देकर तीन विकेट लिए। अर्जुन राप्रिया ने हैट्रिक ली, लेकिन वह दो ओवर में 30 रन देकर काफ़ी महंगे साबित हुए।

सलामी बल्लेबाज सार्थक रंजन (26 गेंदों पर 52 रन) और अर्नव बुग्गा (13 गेंदों पर 43 रन) ने पांच ओवरों के अंदर 85 रन की साझेदारी करके स्ट्राइकर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और आखिर में उसकी टीम नौ विकेट पर 182 रन ही बना सकी।

अवसरों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं

ढुल ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस बारे में सोचता हूं कि मुझे जो अवसर मिला है उसका मैं कैसे फायदा उठाऊं। अगर आप भविष्य के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं तो आप वर्तमान में अच्छा नहीं खेल सकते।' उन्होंने कहा, 'मैं केवल मौजूदा अवसरों पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहा हूं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में सफेद गेंद से लाल गेंद के क्रिकेट में बदलाव के बारे में जो सीख मिली उससे मुझे काफी फायदा मिल रहा है।'

पिछले वर्ष जुलाई में एक जन्मजात समस्या के कारण हृदय की सर्जरी के कारण ढुल को विश्राम लेना पड़ा और उसके बाद उन्होंने मजबूत वापसी करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, 'उस घटना ने मेरी बहुत मदद की क्योंकि मुझे पता चला कि मैं क्या कर सकता हूं। उस समय कोई भी मेरे साथ नहीं खड़ा था। मुझे पता था कि मैं अकेला हूं और मेरे पास अच्छी वापसी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मैंने बस खुद को मानसिक रूप से मज़बूत रखा।% ढुल ने कहा, 'मुझे खुद पर भरोसा था। मुझे पता था कि मैं एक दिन फिर से खेलूंगा और मुझे पता था कि कैसे खेलना है और कैसे खेलूंगा।'

सूर्यकुमार फिट हुए, एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब अगले माह होने वाले एशिया कप के लिए उनके खेलने को लेकर संशय समाप्त हो गया है। भारत की मेजबानी में होने वाला एशिया कप 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को होगा। एशिया कप अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा। एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को होगी।

कप्तान सुर्यकुमार यादव के फिट होने से भारतीय टीम ने राहत की सांस ली है। सूर्यकुमार सर्जरी से उबरने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे थे, जहां उन्होनें फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। सूर्यकुमार अब एशिया कप के लिए मुंबई में होने वाली चयन समिति की बैठक में भाग लेंगी। बीसीसीआई के एक अधिकार ने कहा, उन्होंने अपनी फिटनेस साबित कर दी है और एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। कुछ दिन

पहले तक सूर्यकुमार यादव सीओई में रिहैब के तौर से गुजर रहे थे।

सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खत्म होने के बाद जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी। इसके बाद से ही वह खेल से दूर थे। सर्जरी एशिया कप 2025 में भारतीय टीम अपना पहला मैच 10 सितंबर को खेलेगी। इसे बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम पाकिस्तान से खेलेगी हालांकि इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है जिससे इसप संशंय के बादल छा गये हैं। भारतीय टीम को एशिया कप में पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में हांगकांग, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं।

रोहित-कोहली को टेस्ट से बाहर करने के पीछे बीसीसीआई की राजनीति: घावरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने इंग्लैंड दौरे से पहले अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया था। यह फैसला क्रिकेट फैंस के लिए चौंकाने वाला इसलिए भी रहा क्योंकि दोनों ही दिग्गज अभी इस फॉर्मेट से हटना नहीं चाहते थे। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित और कोहली इंग्लैंड दौरे की तैयारी में जुटे थे और इस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर बेहद उत्साहित थे। लेकिन बीसीसीआई और चयन समिति के दबाव के चलते दोनों को संन्यास का ऐलान करना पड़ा।

रोहित शर्मा ने सबसे पहले इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए अपने टेस्ट करियर के अंत की घोषणा की। दो दिन बाद विराट कोहली ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर संन्यास लेने की इच्छा जताई और जल्द ही सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसे सार्वजनिक भी कर दिया। इन घोषणाओं के बाद क्रिकेट गलियारों में सवाल उठने लगे कि क्या दोनों खिलाड़ी वास्तव में संन्यास लेना चाहते थे या उन्हें मजबूर किया गया। इस बीच यह भी खबर आई थी कि कोहली रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलना चाहते थे और उन्होंने अपने कोच से कहा था कि इंग्लैंड दौरे पर कम से कम चार-पांच शतक बनाने का लक्ष्य है। वहीं, रोहित ने भी आईपीएल ब्रेक के दौरान माइकल क्लार्क से बातचीत में इंग्लैंड सीरीज़ को लेकर अपनी तैयारी का जिक्र किया था।

इस पूरे प्रकरण पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज कर्सन घावरी ने बड़ा बयान दिया है। घावरी का दावा है कि कोहली और रोहित को बीसीसीआई की आंतरिक राजनीति और चयन समिति के फैसलों के कारण समय से पहले संन्यास लेना पड़ा। उनके मुताबिक, दोनों दिग्गज खिलाड़ी कम से कम कुछ और वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे और टीम को योगदान दे सकते थे। लेकिन अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की अलग योजनाओं के चलते उन्हें किनारे कर दिया गया। घावरी ने कहा कि बीसीसीआई ने दोनों को सम्मानजनक विदाई भी नहीं दी, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके मुताबिक, ऐसे महान खिलाड़ियों को शानदार विदाई दी जानी चाहिए थी क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट और फैंस के लिए अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने इसे 'छोटी राजनीति' का नतीजा बताया और कहा कि यह समझना मुश्किल है कि आखिर बोर्ड ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। क्रिकेट जगत में अब भी इस फैसले पर बहस जारी है। एक ओर जहां फैंस और पूर्व क्रिकेटर मानते हैं कि रोहित और कोहली का करियर टेस्ट फॉर्मेट में और आगे बढ़ सकता था, वहीं दूसरी ओर बोर्ड के अंदरूनी फैसलों ने उनकी राह रोक दी। यह विवाद भारतीय क्रिकेट की राजनीति और चयन प्रणाली पर नए सवाल खड़े करता है।

हीली की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने तीसरा एकदिवसीय जीता

-भारतीय टीम ने 2-1 से सीरीज जीती

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी भारतीय महिला ए टीम को तीसरे एकदिवसीय में मेजबानों के हाथों 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस सीरीज के पहले दो मैच जीतकर जीते थे जिससे वह 2-1 से सीरीज जीतने में सफल रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय ए टीम ने शेफाली वर्मा के अर्धशतक से 216 रन बनाकर मेजबानों को जीत के लिए 217 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं ने एलिसा हीली के शतक से 27.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। हीली ने 84 गेंदों पर 137 रन बनाये। इस पारी में 23 चौके और 2 लंबे छक्के भी शामिल थे। उन्हें इस लाजवाब पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

एशिया कप : भारत-पाकिस्तान मुकाबले में 10 सेकंड के विज्ञापन के लिए खर्च करने होंगे इतने लाख रुपए

स्पोर्ट्स डेस्क ।एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होने वाला है और हमेशा की तरह इस टूर्नामेंट का सबसे प्रतीक्षित मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। दोनों देशों के बीच तनाव का एक लंबा इतिहास रहा है और हाल ही में पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद यह और भी बढ़ गया। ऐसी मांगें उठ रही हैं कि भारत को पाकिस्तान के साथ मैचों का बहिष्कार करना चाहिए, लेकिन अब ऐसा होना लगभग नामुमकिन सा लग रहा है। मैदान के बाहर के इन तनावों ने भारत-पाकिस्तान मैचों को भी काफी ध्यान आकर्षित किया है और प्रसारकों को पिछले कुछ वर्षों में इससे फायदा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने भारत के एशिया कप मैचों के दौरान विज्ञापन दरें 14 से 16 लाख रुपए की भारी कीमत तय की है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई-प्रोफाइल मुकाबला भी शामिल है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडियाने 2031 तक एशिया कप के मीडिया अधिकार 17 करोड़ डॉलर में हासिल कर लिए हैं। इसलिए टूर्नामेंट का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा और इसकी स्ट्रीमिंग सोनीलिव पर होगी। WPP मीडिया के क्लाइंट सॉल्यूशंस के अध्यक्ष नवीन खेमका ने इकोनॉमिक टाइम्स के हवाले से कहा, 'एशिया कप की अच्छी मांग रहेगी क्योंकि यह त्योहारों से पहले के सीजन में हो रहा है और भारत-पाकिस्तान मैच काफी आकर्षक है। इस साल दिवाली जल्दी आ रही है, इसलिए विज्ञापन गतिविधियां सितंबर में ही शुरू हो जाएंगी।'

'जिस तरह के आजकल हालात...': एशिया कप से पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच ने भारत को चेताया

स्पोर्ट्स डेस्क । एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होने वाला है और पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन और चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद इस घोषणा के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे और उन्होंने टीम चयन के पीछे के तर्क पर खुलकर बात की।

आकिब जावेद से पूछा गया कि क्या चुनी गई टीम 14 सितंबर को होने वाले मुकाबले में भारत को हराने की क्षमता रखती है। जवाब में पाकिस्तान के मुख्य कोच आत्मविश्वास से भरे दिखे और कहा कि दोनों पड़ोसियों के बीच यह मैच क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा मैच है। उन्होंने आगे कहा कि इसमें शामिल खिलाड़ी और आसपास के सभी लोग इस खेल के महत्व को समझते हैं और दावा किया कि एशिया कप 2025 के लिए चुनी गई पाकिस्तान टीम में टूर्नामेंट में किसी भी टीम को हराने की क्षमता है।

आकिब जावेद ने कहा, 'बिल्कुल है। हम चाहें या ना चाहें, भारत और पाकिस्तान का जो मैच है वो क्रिकेट में सबसे बड़ा मैच है। ये हर खिलाड़ी को भी एहसास होता है, हर इंसान को भी एहसास होता है और मुझे लगता है कि ये 17 सदस्यीय टीम है उसमें इतनी क्षमता है जो कि किसी भी टीम को हरा सकती है।'

जावेद ने यह भी उल्लेख किया कि चीजें बदलती रहती हैं और सभी से टीम के पीछे रहने का आग्रह किया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मैदान के बाहर चल रहे तनाव का भी हवाला दिया और कहा कि उनके खिलाड़ी तैयार हैं। आकिब जावेद ने आगे कहा, 'मैं बहुत आशान्वित हूं, चीजें बदलती रहती हैं, इस दफा आप भी तैयार करते हैं और हम भी पकड़ते हैं। खिलाड़ी भी तैयार हैं, और सबको एहसास है कि ये कितना बड़ा मैच है और जिस तरह

के आजकल हालात चल रहे हैं। ये भी नहीं के उन पर कोई दबाव डालना है, लेकिन मैं वास्तव में आशान्वित हूं।'

एशिया पैसफिक पैडल कप में खेलती नजर आयेगी युवराज की छोटी बहन अमरजोत

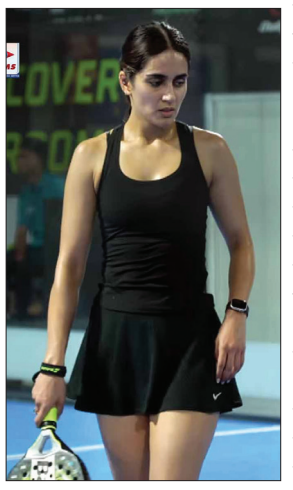

नई दिल्ली । अमरजोत कौर का चयन मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले एशिया पैसफिक पैडल कप एपीपीस 2025 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। अमरजोत भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की छोटी बहन है। भारतीय पैडल टीम में इस बार अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। जिससे टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। एशिया पैसफिक पैडल कप में भारतीय टीम के खिलाड़ी अपनी तेज सर्विस, रैलियों और सटीक स्मैश के बल पर जीत हासिल करने उतरेंगे। एशिया पैसिफिक पैडल कप 2025 में बड़ी टीमें खिताबी मुकाबलों में उतरेंगी। अब युवराज सिंह के प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनकी बहन इस टूर्नामेंट में उन्हीं की तरह बेहतर प्रदर्शन करेगी। युवराज के पिता योगराज सिंह ने दो शादियां की है। अमरजोत योगराज की दूसरी पत्नी नीना बुंदेल की बेटी हैं। नीना पंजाबी फिल्मों की शीर्ष अभिनेत्री रही हैं। अमरजोत भी काफी ग्लैमरस और सुंदर हैं। सोशल मीडिया पर उनके साढ़े 32 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। युवराज और जोरावर के अलावा अमरजोत का एक सगा भाई भी है, जिसका नाम विक्टर सिंह है। पैडल गेम की शुरुआत साल 1969 में मैक्सिको में हुई थी। इसके बाद से ही ये खेल यूरोप, यूएई में लोकप्रिय हुआ और अब ये बड़े शहरों में खेला जाता है। पैडल एक रैकेट गेम है हालांकि इसके रैकेट छोटे होते हैं, ये टेनिस और स्क्वाश का मिला-जुला रुप माना जाता है। यह मुख्य रूप से डबल्स प्रारुप में खेला जाता है।

बीसीसीआई ने डोमेस्टिक क्रिकेट में लाया बड़ा बदलाव, गंभीर चोट पर मिलेगा रिप्लेसमेंट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025-26 डोमेस्टिक सीजन से पहले खेल नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए नियम के तहत मल्टी डे क्रिकेट में गंभीर चोट के लिए रिप्लेसमेंट की अनुमति दी जाएगी। इस प्रावधान को गंभीर चोट रिप्लेसमेंट नाम दिया गया है। हाल ही में खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत और इंग्लैंड के क्रिस वोक्स चोटिल हो गए थे। उसी अनुभव के बाद बीसीसीआई ने यह कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नया नियम मौजूदा कन्कशन सब्स्टीट्यूशन प्रावधान जैसा ही होगा। इसमें किसी खिलाड़ी को गंभीर चोट लगने पर उसकी जगह उसी तरह की क्षमता वाला खिलाड़ी मैदान पर उतर सकेगा। हालांकि, यह प्रक्रिया तभी लागू होगी जब ऑन-फील्ड अंपायर और मैच रेफरी डॉक्टर से परामर्श के बाद इसे मंजूरी देंगे। एक बार रिप्लेसमेंट के बाद घायल खिलाड़ी मैच में दोबारा हिस्सा नहीं ले सकेगा। बीसीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस स्थिति में आंकड़ों और रिकॉर्ड्स के लिए घायल खिलाड़ी और रिप्लेसमेंट दोनों को प्रतिभागी माना जाएगा। हालांकि, यह नियम केवल मल्टी डे क्रिकेट जैसे सीके नायडू ट्रॉफी पर लागू होगा। सीमित ओवरों की प्रतियोगिताएं, जैसे विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, इसके दायरे में नहीं आएंगी। साथ ही अभी तक यह साफ नहीं है कि भविष्य में इसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी लागू किया जाएगा या नहीं।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम में बाबर, रिजवान को नहीं मिली जगह

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले टी20 एशिया कप के साथ ही त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के लिए भी अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी सलमान आगा करेंगे पर इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं मिली है। एशिया कप से पहले पाक टीम यूएई और अफगानिस्तान के खिलाफ 29 अगस्त से त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगी। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा। एशिया कप के लिए जिन खिलाड़ियों को जगह मिली है। उनमें तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ के साथ ही फखर जमन और खुशदिल शाह भी शामिल हैं। वहीं विकेटकीपर मोहम्मद हारिस का भी टीम में शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने हसन नवाज, सलमान मिर्जा और सुफ्यान मोकिम जैसे युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है। सलमान को बांग्लादेश में अच्छे प्रदर्शन के लिए टीम में बनाये रखा गया है, जहां उन्होंने तीन मैचों में 5.21 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए थे। पाक टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा, हमने सलमान को बांग्लादेश में उनके प्रदर्शन के कारण टीम में बरकरार रखा है। एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत, ओमान और यूएई के साथ शामिल किया गया है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ करेगी। इसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ 14 सितंबर को बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेलना है।

टीम इस प्रकार है - सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मुकीम।

अपने अंतिम समय में भी मैक्सवेल जीत सकते हैं एक और विश्व कप

कोलकाता (एजेंसी)। केर्न्स-दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक टी20 मैच से पहले ग्लेन मैक्सवेल से पूछा गया कि क्या वनडे से संन्यास लेने के बाद उन्हें अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की समाप्ति तिथि पर विचार करने का मौका मिला है। उन्होंने उत्साह से कहा, 'नहीं।' अगर वह चाहें, तो अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाला टी20 विश्व कप इस प्रारूप के महान खिलाड़ियों में से एक के लिए एक उपयुक्त शुरुआती बिंदु होगा। यह विश्वास करना मुश्किल है कि वह दो साल और खेल पाएंगे, जबकि 2028 का विश्व कप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

शनिवार शाम को उन्होंने बल्ले से दिखाया कि वह अब भी क्या कर सकते हैं, 36 गेंदों में नाबाद 62 रनों की शानदार पारी खेलकर एक अनिश्चित लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत की ओर ले गए। इससे पहले उन्होंने लॉन्ग-ऑन पर डेवाल्ड ब्रेविस की विनाशकारी पारी का अंत करने के लिए एक मैच-बदलने वाला कैच लपका था। वनडे मैचों से संन्यास लेते समय, मैक्सवेल ने मैदान पर 50 ओवर नहीं टिक पाने का हवाला दिया था, लेकिन हाल ही में कुछ बाउंड्री कैचों से यह बात और पुख्ता हुई है कि वह शानदार पल बिताने में सक्षम हैं।

ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले अच्छी फॉर्म में है और मैक्सवेल खेल के तीनों पहलुओं में, दूसरी बार खिताब जीतने की उनकी कोशिश का एक अहम हिस्सा होंगे। उनकी ऑफ स्पिन टीम के संतुलन का एक अहम हिस्सा है और विश्व कप में पावरप्ले में एक अच्छा विकल्प साबित हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली दो सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया है, ऐसे में मैक्सवेल ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया है।

पिछले महीने सेंट किट्स में उन्होंने 18 गेंदों पर 47 रन की पारी खेली थी और इस सीरीज में उन्हें तीन अलग-अलग स्थानों पर इस्तेमाल किया गया। परिस्थिति के अनुसार थोड़ा लचीलापन तो हमेशा रहेगा, लेकिन विश्व कप के लिए छठा और सातवां नंबर उनके लिए सबसे उपयुक्त लग रहा है। बल्लेबाजी में कई बार मैक्सवेल असहज दिखते हैं और हमेशा की तरह, ऐसे पल भी आते रहेंगे जो उन्हें परेशान करते हैं, 'ओह, मैक्सी, तुमने ऐसा क्यों किया?% शॉट। लेकिन फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मैच जैसे मौके भी आते हैं, जब वह सटीक निशाना साधते हैं और सब कुछ सही निकलता है।

जिस तरह से उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए खुद को संभाला, वह एक शानदार दिमाग की झलक थी। सिंगल्स लेने में नाकाम रहे - यहां तक कि थोड़े समय के लिए, जब बेन ड्वारशुइस जैसे बेहद काबिल आठवें नंबर के बल्लेबाज उनके साथ थे - और आखिरी ओवर में लुंगी एनगिडी की गेंदबाजी को भांपने की कोशिश करते हुए उन्होंने शॉर्ट थर्ड पर एक फुलटॉस को रिवर्स करके मैच जीत लिया, जबकि पिछली दो गेंदों पर उन्होंने रन नहीं बनाए थे और जरूरत के दो ओवरों में से चार रन बच गए थे।

मैक्सवेल ने कहा, 'मैं शायद पिछली गेंद पर ऐसा करने के बारे में सोच रहा था।%(लेकिन) मुझे लगा कि वह पहले वाली गेंद धीमी करने वाला था ताकि मैं उसे मिडविकेट पर दो रन के लिए मार सकूं। जैसे ही गेंद तेज हुई, मुझे एहसास हुआ कि मैंने शायद गेंद न मारकर गलती की है। मैंने गेंद को इतनी अच्छी तरह मारा कि दो रन नहीं मिल पाए, इसलिए मैंने सोचा, कोई बात नहीं, मैं आखिरी दो गेंदों में से एक पर चौका मारूंगा , उम्मीद है कि चौका लग जाएगा। मुझे लगा कि वह धीमी गेंद नहीं डालेगा।

'हालांकि मैं पहले उससे एक रन ले पाया था, मुझे नहीं लगा था कि यह इतना आसान होगा। मुझे लगता है कि बात थोड़ी ज्यादा बारीक थी। मुझे लगा कि गेंद को वहां तक पहुंचाने के लिए मुझे तेज गति की ज़रूरत है। जैसे ही मैंने गेंद को उसके हाथ से निकलते देखा, मैंने सोचा, कोई भी बल्ला लगाओ और गेंद चली जाएगी। मुझे वो गेंद मिली जो मैं चाहता था और मैं उसे अंजाम तक पहुंचाने में सक्षम था।%

14वें ओवर में जब ऑस्ट्रेलिया को 37 गेंदों पर 51 रनों की जरूरत थी, तब ड्वारशुइस के आने पर अपनी रणनीति के बारे में बताते हुए मैक्सवेल ने कहा कि ऐसा इसलिए था ताकि वह हवा के साथ छोटी बाउंड्री का फ़ायदा उठा सकें। %मैं उस ओवर को जितना हो सके नियंत्रित करना चाहता था और फिर दूसरे छोर से (ड्वारशुइस) पर भरोसा करना चाहता था, जहां उसके पास कुछ और विकल्प थे। मुझे लगता है कि अगर मैंने पहली गेंद पर सिंगल ले लिया होता (जब वह अपनी पारी शुरू ही कर रहा था), तो उसके लिए रन बनाना या तुरंत स्ट्राइक से हटना मुश्किल हो सकता था।

मुझे लगा कि अगर मैं उस ओवर की पांच गेंदों पर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर होता और एक दाएं हाथ के बल्लेबाज़ के तौर पर छोटी गेंदें

मारता, तो यह थोड़ा जोखिम भरा हो सकता था। अंत में, मुझे लगता है कि मैंने उस ओवर में 11 रन बनाए, जो एक जीत है। इसने गति बनाए रखी। उसके बाद से, मैंने मूल रूप से दोनों छोर पर उस पर भरोसा किया।

जब मैक्सवेल ने कैगिसो रबाडा के आखिरी ओवर में 15 रन बनाए - एक बड़ी बीमर के रबाडा की पकड़ से छूट जाने के बाद फ्री हिट पर छक्का जड़ा - तो मैच तय लग रहा था और ऑस्ट्रेलिया को 12 गेंदों पर 12 रन चाहिए थे। हालांकि, कॉर्बिन बॉश ने 19वें ओवर में डबल-विकेट मेडन लगाकर मैच में नया मोड़ ला दिया। लेकिन एडम जम्पा ने दो गेंदें बचाकर अपनी भूमिका निभा दी थी और मैक्सवेल के पास स्ट्राइक थी। उन्हें अच्छी तरह पता था कि उन्हें क्या करना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

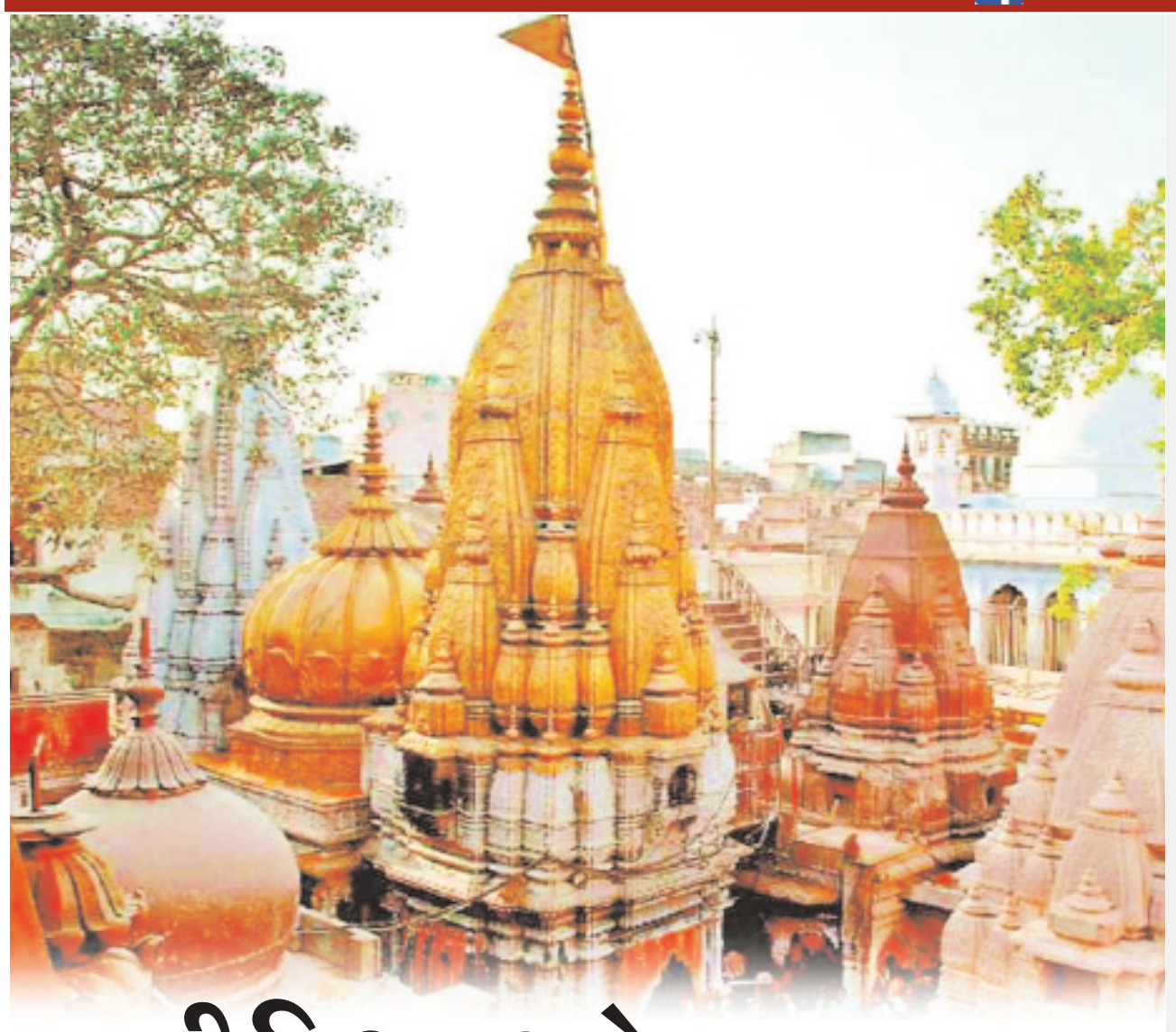

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तपोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में दही हांडी उत्सव में हुए हादसों में दो की मौत, 200 से ज्यादा घायल

मुंबई (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया। मथुरा और वृंदावन से लेकर देश के कोने-कोने में मंदिरों को सजाया गया और रात 12 बजे श्रीकृष्ण की आरती के साथ उनका जन्मोत्सव मनाया। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी पर हुए दही हांडी उत्सव के दौरान अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा घायल हुए हैं। महाराष्ट्र के मानखुर्द जगमोहन शिवकिरण चौधरी दही हांडी बांधते समय पहली मंजिल से गिर गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, दूसरी घटना में 14 साल के नाबालिग लड़के की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक शनिवार रात तक 210 व्यक्तियों के घायल होने की सूचना मिली, जिनमें से 68 का इलाज चल रहा है और 142 को डिस्चार्ज कर दिया गया है। सेंट्रल मुंबई के अस्पतालों में 91 घायल दर्ज किए गए, जिनमें से 60 का इलाज जारी है और 31 को छुट्टी दे दी गई। पूर्वी उपनगरों में 45 और पश्चिमी उपनगरों में 74 लोग घायल हुए हैं। अस्पतालों से मिली जानकारी के मुताबिक घायल लोगों का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है। बता दें हर साल जन्माष्टमी पर मुंबई में जगह-जगह पर दही हांडी उत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में गोविंदा भाग लेते हैं।

कटुआ में तबाही के बाद बचाव और राहत कार्यों की एलजी ने गृहमंत्री को दी जानकारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने कटुआ जिले में भूस्खलन में कई लोगों की मौतों पर रविवार को दुख जताते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दे दी गई है। एलजी सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कटुआ के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। यह त्रासदी दिल दहला देने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलजी सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन के बचाव एवं राहत अभियानों की जानकारी दी है। बता दें रविवार तड़के कटुआ जिले में बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और सहायता प्रयासों में समन्वय करने का निर्देश दिया है और मौके पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को भी कहा है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

डिलीवरी बॉय ने बजाई बार-बार बेल, नाराज शख्स ने एयर गन से कर दिया फायर

मुंबई (एजेंसी)। लोअर परेल इलाके से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक 35 वर्षीय शख्स ने दवाइयां पहुंचाने आए डिलीवरी बॉय पर गुस्से में एयर गन से फायरिंग कर दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि डिलीवरी बॉय ऑर्डर रिसीव न होने पर बार-बार डोरबेल बजा रहा था। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी सौरभ अविनाश कुमार सिंह, निवासी प्रकाश कॉटन बिल्डिंग, शंकरराव नारम पथ, लोअर परेल, ने फोन पर दवाइयां मंगवाई थीं। जब डिलीवरी बॉय ऑर्डर लेकर पहुंचा तो आरोपी बाहर नहीं आया। इस पर डिलीवरी बॉय ने कई बार बेल बजाई। इससे गुस्साए आरोपी ने अपनी एयर गन से हवा में फायरिंग कर दी। सूचना पर पहुंची एनएम जोशी मार्ग पुलिस ने आरोपी को पूछताछ के लिए थाने ले गई। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बार-बार बेल बजाने से चिढ़ गया था और गुस्से में गोली चला दी। इसी के साथ ही पुलिस ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। फिलहाल मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बिहार में पड़ोसी ने 4 साल के मासूम का चाकू से काट दिया प्राइवेट पार्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां चार वर्षीय एक बच्चे के पड़ोसी ने उसका गुप्तांग काट दिया। फिलहाल बच्चे का पीएमसीएच में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि यह घटना शहर के गौरीचक इलाके में हुई और बच्चे की हालत गंभीर है। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (सदर-2) ने कहा, पीड़ित के परिवार के सदस्यों ने शिकायत दर्ज कराई है कि यह घटना एक मामूली मुद्दे के कारण हुई। लड़के को पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पु?लिस अ?धिकारी के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी दंपति फरार है और उनकी तलाश जारी है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बच्चा पिछले 5 महीने से अपने नानी के यहां रह रहा था। वहीं 14 अगस्त को बच्चा स्कूल से आने के बाद दरवाजे के पास खेल रहा था। इसी बीच पड़ोस का गुड्डू उसे बहला फुसलाकर साथ लेकर चला गया। बच्चे के मुताबिक, पहले उसने गर्दन पर चाकू भिड़ाया। फिर गर्दन छोड़कर नीचे का प्राइवेट पार्ट काट दिया। वहीं लहूलुहान स्थिति में बच्चा जब नानी के घर आया तो परिजनों ने उसे इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया। घटना को अंजाम देने के बाद से आरोपी फरार है। अभियुक्त गुड्डू और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पुजारी ने आश्रम में किया महिला से दुष्कर्म, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

ढेंकनाल (एजेंसी)। ओडिशा पुलिस ने ढेंकनाल जिले के एक आश्रम के मुख्य पुजारी को महिला से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना माताकरगोला आश्रम की है। पीड़िता उसी आश्रम में ही रहती थी। पुलिस ने बताया कि महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 4 अगस्त को जब वह आश्रम परिसर के कमरे में सो रही थी तभी मुख्य पुजारी वहां आया और उससे जबरन दुष्कर्म किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार भी किया। ढेंकनाल जिले के अतिरिक्त एसपी सूर्यमणि प्रधान ने बताया कि मुख्य पुजारी को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया।

चोरी पकड़ी गई तो चुनाव आयोग सियासी दलों पर ही दोष मढ़ रहा

-आप नेता ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि वह किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है, इस पर आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए कह दिया कि जब चोरी पकड़ी गई तो सियासी दलों पर दोष मढ़ने लगे हैं।

दरअसल रविवार को चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, कि वह बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग, गरीब-अमीर, महिला, बुजुर्ग और युवा मतदाताओं के साथ मजबूती से खड़ा था, है और आगे भी खड़ा रहेगा। आयोग ने कहा उसके लिए सभी बराबर है, फिर चाहे विपक्ष में कोई हो या सत्ता पक्ष में। इसी के साथ चुनाव आयोग ने वोट चोरी मामले पर सख्त रुख दिखाया है। इस पर आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा, कि चुनाव आयोग अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए अब राजनीतिक दलों पर दोष मढ़ रहा है। आयोग की चोरी पकड़ी गई है और अब वह शर्मिंदगी महसूस कर रहा है। आप नेता ढांडा ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और बीजेपी की मिलीभगत अब जगजाहिर हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि पिछली वोटर लिस्ट की खामियों को जब राजनीतिक दलों ने उजागर किया, तो चुनाव आयोग ने उल्टा यह जिम्मेदारी दलों पर डाल दी। आप नेता ने कहा, कि चुनाव आयोग का काम निष्पक्ष चुनाव कराना और वोटर लिस्ट को शुद्ध करना है, लेकिन वह इसमें पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है।

दिल्ली चुनाव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, कि वोट चोरी करके बीजेपी ने चुनाव जीता। हमने बार-बार शिकायत की कि फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं और असली वोट काटे जा रहे हैं, लेकिन आयोग ने कोई सुनवाई नहीं की। इससे साफ है कि बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत ने लोकतंत्र को कमजोर किया है।

अनुराग ढांडा ने प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों पर भी सवाल उठाए और कहा कि जनता ने समर्थन नहीं दिया, इसलिए बीजेपी ने वोट चोरी का सहारा लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी शिक्षकों और एमसीडी कर्मचारियों को रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए इस्तेमाल कर रही है। इस विवाद के बाद चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि आयोग

लगातार यह दोहराता रहा है कि उसका काम केवल पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव कराना है।

200 अवॉर्ड्स जीतने वाली मशहूर अदाकारा ने दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई(एजेंसी)। मराठी फिल्मों और टेलीविज़न की दिग्गज अदाकारा ज्योति चंदेकर अब हमारे बीच नहीं रहीं। 69 साल की उम्र में उन्होंने पुणे के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। अपने अभिनय के लिए उन्हें अब तक 200 से ज्यादा अवॉर्ड्स मिल चुके थे, जो यह दर्शाता है कि वे सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि अभिनय की एक जीवंत पाठशाला थीं। हर भूमिका को वे इस तरह निभाती थीं जैसे वो उनका अपना ही जीवन हो। टीवी सीरियल 'थरल तार मैग' में निभाया गया उनका किरदार 'पूर्णा आजी' इतना लोकप्रिय हुआ कि वे मराठी दर्शकों के दिलों में बस गईं। उनकी संवाद अदायगी, भाव-भंगिमा और किरदार में गहराई ने उन्हें एक घरेलू नाम बना दिया। लोग उन्हें परदे पर देखकर अपनी ही दादी या मां जैसा महसूस करने लगे थे। बीते कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर से मराठी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस, साथी कलाकार और चैनल्स सभी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। ज्योति चंदेकर का अभिनय सफर बहुत ही कम उम्र में शुरू हुआ था। जब वे सिर्फ 12 साल की थीं, तभी से उन्होंने थिएटर करना शुरू कर दिया था। मंच से शुरू हुआ यह सफर धीरे-धीरे मराठी सिनेमा और टेलीविज़न की दुनिया तक पहुंचा और उन्होंने हर माध्यम में अपनी कला की छाप छोड़ी। कई मराठी फिल्मों में बेहद प्रभावशाली भूमिकाएं निभाईं। 'पौलाट', 'ढोलकी', 'सलाम', 'संजपर्व', 'आई गुरु', 'आई ढोलकी' और 'टीचा उम्बर्था' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय आज भी दर्शकों की स्मृति में जीवंत है। उन्होंने मां, सास और बुजुर्ग महिलाओं जैसे किरदारों को ऐसा अपनापन दिया, जिससे हर पीढ़ी के लोग जुड़ गए। ज्योति चंदेकर के निधन से उनके चाहने वालों और मराठी इंडस्ट्री में एक खालीपन आ गया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्हें नम आंखों से याद कर रहे हैं। स्टार प्रवाह चैनल ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। उनके जाने से मराठी कला-जगत ने एक अनमोल रत्न खो दिया है।

जिन्ना के नाम पर भड़के ओवैसी बोले- जो वफादार थे, वे भारत में ठहर गए...

हैदराबाद (एजेंसी)। एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में बंटवारे के लिए कांग्रेस और जिन्ना को जिम्मेदार ठहराया गया तो इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। इस पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आखिर बंटवारे के लिए किसी विशेष वर्ग को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मॉड्यूल में कहा गया है कि बंटवारे के लिए प्रमुख तीन कारण जिम्मेदार थे। पहले थे जिन्ना, जो कि मुस्लिमों के लिए अलग देश की मांग कर रहे थे। दूसरी थी कांग्रेस जिसने जिन्ना की मांग को स्वीकार किया और तीसरा माउंटबेटन जिन्होंने इसे अमली जामा पहना दिया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एनसीईआरटी को अगर बंटवारे के बारे में पढ़ाना ही है तो शम्सुल इस्लाम की मुस्लिम अगेंस्ट पार्टीशन किताब सिलेबस में शामिल की जानी चाहिए। इसी तरह झूठ को फैलने से रोका जा सकता है। ओवैसी ने कहा कि बंटवारे के लिए आखिर मुसलमान कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं? जो लोग भाग गए वे तो भाग ही गए और जो वफादार थे, वे ठहर गए।

भाजपा को हराने हिंदू-मुस्लिम एकजुट हों : प्रशांत किशोर

-जन सुराज पार्टी के संस्थापक हिंदू-मुस्लिम गठबंधन पर कर रहे विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ एक हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने का संकेत दिया है। उन्होंने पार्टी से जुड़े मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक के बाद कहा, कि उनकी कोशिश महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले हिंदू और मुसलमानों के बीच एक वैचारिक गठबंधन बनाने की है।

बैठक में पीके ने कहा, कि सभी हिंदू भाजपा का समर्थन नहीं करते। यह कहना भी गलत होगा कि अधिकांश हिंदू भाजपा के साथ हैं। यदि गांधी और आंबेडकर की विचारधारा में आस्था रखने वाले हिंदू और मुसलमान एकजुट हों, तो भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। गौरतलब है कि प्रशांत किशोर पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि उनकी पार्टी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा चुनाव में 40 मुस्लिम प्रत्याशी उतारेगी। इस फैसले से राजद-कांग्रेस-वाम गठबंधन में नाराजगी है, क्योंकि ये दल पारंपरिक रूप से अल्पसंख्यक वोटों पर निर्भर रहे हैं। यहां बताते चलें कि प्रशांत किशोर राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव अभियानों के सफल प्रबंधन के लिए जाने जाते रहे हैं। लेकिन अब वे खुद की पार्टी जन सुराज के जरिए बिहार की राजनीति में सीधा दांव लगाने की तैयारी में हैं।

यूट्यूबर एल्विश यादव के घर फायरिंग की भाऊ गैंग ने ली जिम्मेदारी

कहा- एल्विश ने सट्टे का प्रमोशन कर बहुत से घर किए बर्बाद

पटना (एजेंसी)। गुरुग्राम,(ईएमएस)। यूट्यूबर एल्विश यादव के घर फायरिंग करने वाली गैंग अब खुद सामने आ गई है, जिसने एल्विश के घर गोलियां चलवाईं। गुरुग्राम स्थित एल्विश के घर पर गोलियां चलवाने की जिम्मेदारी हिमांशु भाऊ गैंग ने ली है। अमेरिका में मौजूद हिमांशु भाऊ गैंग ने बताया है कि उसके लोगों ने ही फायरिंग की। बता दें यह वही हिमांशु भाऊ गैंग है, जिसने एल्विश के दोस्त राहुल फाजिलपुरिया के ऊपर फायरिंग करवाई थी और उसके फाइनेंसर की हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह करीब 5.30 बजे यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश यादव के गुरुग्राम के सेक्टर 56 में स्थित उनके घर पर फायरिंग हुई, जब तीन अज्ञात लोग बाइक पर आए और 20 से 25 राउंड गोलियां चलाईं। जब यह फायरिंग हुई, उस समय एल्विश घर पर नहीं थे। उनके मम्मी-पापा और केयर टेकर घर पर थे।

रिपोर्ट के मुताबिक अब इस फायरिंग की जिम्मेदारी अमेरिका में छिपे हिमांशु भाऊ गैंग ने ली है। गैंग ने अपने पोस्ट की शुरुआत जय भोले और राम-राम भाई से की है। पोस्ट में लिखा है कि एल्विश यादव के घर जो गोली चली है, वह गैंग ने नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया से चलवाई है। गैंग ने गोली चलाकर एल्विश को अपना परिचय दिया है। गैंग का कहना है कि एल्विश ने सट्टे का प्रमोशन करके बहुत घर बर्बाद किए हैं। इसलिए उनके घर पर फायरिंग की गई है। इसके साथ ही गैंग ने अन्य सोशल मीडिया दिग्गजों को चेतावनी दी है कि जो भी सट्टे का प्रमोशन करेगा, उस पर भी गोली चल सकती है।

बता दें जब फायरिंग हुई तब एल्विश यादव घर पर नहीं थे। वह हरियाणा से बाहर किसी काम के सिलसिले में गए हैं। इस घटना में किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। भाऊ गैंग के फायरिंग की जिम्मेदारी लिए जाने पर एल्विश यादव के पिता ने कहा कि मुझे अभी इस बारे में पता नहीं है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने फायरिंग घर के ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर की। एल्विश यादव का परिवार दूसरे और तीसरे फ्लोर पर रहता है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने घर का मुआयना किया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

बता दें एल्विश यादव से पहले बॉलीवुड सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर भी गुरुग्राम में ताबड़तोड़ फायरिंग का मामला सामने आया था। एल्विश और फाजिलपुरिया दोनों दोस्त हैं। हमला बादशाहपुर थाने के अंतर्गत एसपीआर रोड पर हुआ था। बताया जा रहा है कि फायरिंग में वह सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे थे। करीब एक महीने के भीतर इस तरह की दूसरी घटना ने गुरुग्राम में लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

एल्विश यादव अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। बीते साल उन पर सांप के जहर की अवैध सप्लाई और रेव पार्टियों में इसके इस्तेमाल से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया था। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। उन पर आरोप था कि एल्विश कुछ निजी पार्टियों में प्रतिबंधित जहरीले पदार्थों का इंतजाम करते थे, जिनमें सांप का जहर शामिल था। एल्विश ने इन सभी आरोपों को गलत और बेबुनियाद बताया था। यह मामला अभी भी कोर्ट में चल रहा है और जांच एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं।

आरएसएस की तालिबान से तुलना करने पर भड़की बीजेपी, कांग्रेस पर बोला हमला

-कांग्रेस राष्ट्रवादी संगठन को गालियां देती है और आतंकी संगठनों में भाईचारा दिखता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता बीके हरीप्रसाद के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना तालिबान से कर दी जिससे सियासत गरमा गई। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला और मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस पर हमला बोला और कांग्रेस नेता के बयान को राष्ट्रवाद और सनातन धर्म का अपमान बताया। पूनावाला ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कांग्रेस नेता बीके हरीप्रसाद कहते हैं कि पाकिस्तान हमारा दुश्मन नहीं है, वह बीजेपी का दुश्मन है। हरीप्रसाद आरएसएस को तालिबान बताते हैं।

पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी भी राष्ट्रवादी संगठन को गालियां देती है, उनका अपमान करती है, जबकि उसे पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों में भाईचारा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सेना में सड़क का गुंडा, सर्जिकल स्ट्राइक में खून की दलाली, सिंदूर में तमाशा और राष्ट्रवादी संगठनों में तालिबान दिखाई देता है। उन्होंने आगे कहा कि हरीप्रसाद ने कहा कि पाकिस्तान ने कोई गलत काम नहीं किया है, हम उसके दोस्त हैं, वह बीजेपी का दुश्मन है। यह कांग्रेस की मानसिकता और प्रवृत्ति को दर्शाता है। पूनावाला ने सवाल उठाया कि यदि आरएसएस तालिबान है, तो पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी उसके मुख्यालय क्यों गए थे, महात्मा गांधी और जयप्रकाश नारायण ने उसकी प्रशंसा क्यों की थी और 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में आरएसएस को क्यों बुलाया गया था?

वहीं, बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरीप्रसाद द्वारा आरएसएस की तुलना तालिबान से करना गिरी हुई मानसिकता को दर्शाता है। इससे साफ झलकता है कि कांग्रेस का तालिबान के प्रति कितना लगाव है। सिरसा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का आतंकियों के प्रति झुकाव कोई नई बात नहीं है। जब-जब आतंकियों का खात्मा होता है, कांग्रेस आंसू बहाती है क्योंकि उसकी राजनीति वोट बैंक पर आधारित है। विशेष वर्ग के वोट पाने के लिए कांग्रेस हमास, आईएसआईएस और तालिबान जैसे आतंकी संगठनों को भी भगवान का रूप देने से नहीं हिचकिचाती।

देश में अघोषित आपातकाल चल रहा, हम वोट के अधिकार को बचाने लड़ रहे: लालू

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने सासाराम से शुरू होने वाली वोटर अधिकार यात्रा को लेकर कहा कि हम लोगों के वोट के अधिकारों को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और वहीं बीजेपी और चुनाव आयोग एसआईआर के जरिए लोगों को वोट के अधिकार से वंचित करने का षडयंत्र रच रहे हैं। हम उसे सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने दावा किया कि देश की वर्तमान स्थिति आपातकाल से भी बदतर है। देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के तमाम नेता यात्रा में शामिल हो रहे हैं। हम ये लड़ाई लड़ रहे हैं और जीतेंगे। राजद नेता तेजस्वी यादव ने वोटर अधिकार यात्रा को लेकर कहा कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में है, इसकी रक्षा के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को बचाने का दायित्व निभाने के लिए है।

तेजस्वी ने दावा किया कि बीजेपी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और मतदाता सूची में गड़बड़ी के जरिए वोटिंग अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है। बिहार लोकतंत्र की जननी है, यहां से लोकतंत्र को खत्म नहीं होने दिया जाएगा और वोट की डकैती को रोका जाएगा। कुछ लोगों को जीवित होते हुए भी मतदाता सूची में मृत घोषित किया जा रहा है, जो वोटिंग अधिकारों पर हमला है। तेजस्वी के मुताबिक बीजेपी की तानाशाही को बिहार की जनता समझ चुकी है और हमारी यात्रा को जनता का प्यार व समर्थन मिलेगा।

चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता पर तेजस्वी ने कहा कि वार्ता के बाद जवाब दिया जाएगा, लेकिन आयोग को सुप्रीम कोर्ट से पहले ही करारा जवाब मिल चुका है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे तानाशाही कर सकते हैं और किसी को भी जेल भेज सकते हैं, लेकिन जेल जाने से हम नहीं डरते हैं।

हिमाचल में बारिश से भारी तबाही का दौर जारी, अब तक 257 लोगों की हो चुकी हैं मौतें

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश से भारी तबाही का दौर जारी है, बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है और मृतकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। शनिवार सुबह तक हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) ने बताया कि राज्य भर में 374 सड़कें, 524 बिजली ट्रांसफार्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं। एक विज्ञप्ति के मुताबिक प्राधिकरण ने बताया कि दो राष्ट्रीय राजमार्ग, एनएच-305 और एनएच-05, अवरुद्ध मार्गों में शामिल हैं, जहां भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण, विशेष रूप से मंडी, कुल्लू और किन्नौर जिलों से संपर्क बाधित हो रहा है। पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि लगातार बारिश और भूस्खलन से प्रगति धीमी हो रही है।

बता दें इस मानसून में 20 जून से अब

तक कुल 257 लोगों की मौत हो चुकी है। एचपीएसडीएमए ने कहा कि इनमें से 133 लोगों की जान भूस्खलन, बाढ़ और मकान ढहने के कारण हुई है, जबकि 124 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। मंडी जिले में सबसे ज्यादा व्यवधान की सूचना मिली, जहां 203 सड़कें अवरुद्ध हैं और 458 ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे हैं, इसके बाद कुल्लू है, जहां 79 सड़कें बंद हैं, जिसमें एक बड़े भूस्खलन के कारण झेड़ में एनएच-305 भी शामिल है। चंबा (24), कांगड़ा (41), और मंडी (44) में जलापूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

किन्नौर में भारी बारिश के बाद एनएच-05 समेत छह सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जबकि कुल्लू और लाहौल-स्पीति में अचानक बाढ़ और एचटी लाइन की खराबी से व्यापक व्यवधान की सूचना मिली। अधिकारियों ने आगाह किया कि आने वाले दिनों में रुक-रुक कर होने वाली बारिश से स्थिति और खराब हो सकती है और लोगों से यात्रा करने से बचने की अपील की गई है।

दलित अधिकारी को नहीं मिली कुर्सी- टेबल, जमीन पर चटाई बिछा कर रहे काम

ग्वालियर (एजेंसी)। आजाद भारत में बराबरी और संवैधानिक अधिकारों की बातें अक्सर की जाती हैं, लेकिन ग्वालियर से आई एक तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के सहायक महाप्रबंधक सतीश डोंगरे पिछले एक साल से अपने ही दफ्तर में जमीन पर चटाई बिछाकर बैठते हैं और सरकारी काम-काज निपटाने को मजबूर हैं। इसका मुख्य कारण उन्हें अब तक टेबल-कुर्सी उपलब्ध नहीं कराई गई है। आरोप है कि यह सब जातिगत भेदभाव की वजह से हो रहा है। उक्त सहायक अधिकारी भी अपमान का घूंट पीने और काम करने की बात कहते हैं। वैसे आपको बतलाते चलें कि विकास निगम का यह दफ्तर किराए के भवन में चल रहा है। यहां बाकी अधिकारियों को बकायदा चैंबर और फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन सहायक महाप्रबंधक अधिकारी डोंगरे रोजाना चटाई बिछाकर जमीन पर बैठते हैं और विभागीय फाइलों का काम निपटाते हैं। इस मामले में मीडिया से बात करते हुए डोंगरे ने दर्द बयां किया, उन्होंने कहा, कि संबंधितों से मैंने कई बार कुर्सी और टेबल की मांग की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। एक साल से लगातार अपमान झेल रहा हूं। इस मामले पर निगम के अतिरिक्त महाप्रबंधक अच्छेलाल अहिरवार का कहना था, कि भोपाल मुख्यालय को डिमांड भेजी गई है। जब फंड आएगा तभी फर्नीचर उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रकार के बयानों के बाद आम इंसान के मस्तिष्क में सवाल उठ रहा कि आखिर क्योंकर एक साल गुजर जाने के बाद भी टेबल-कुर्सी की व्यवस्था नहीं हो सकी, जबकि करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट्स पर फौरन खर्च हो जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी आसमान में शान से लहराया तिरंगा

सिएटल , एजेंसी। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमेरिका के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल के ऊपर भारतीय ध्वज फहराया गया। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत, सिएटल के मेयर ब्रूस हैरेल और सिएटल शहर के अन्य चुनिंदा गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुए। अमेरिका के आसमान में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाना हर भारतीय को गर्व से भर गया।

मैक्सिको और ग्वाटेमाला के राष्ट्राध्यक्षों की पहली मुलाकात, सीमा सुरक्षा और तस्करी पर चर्चा

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको और ग्वाटेमाला के राष्ट्रपतियों की पहली आमने-सामने की मुलाकात शुक्रवार को हुई, जिसमें दोनों देशों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने की बात कही। यह बैठक ग्वाटेमाला के उत्तरी पेटेन क्षेत्र में हुई, जहां दोनों नेताओं ने प्रवास, कानून व्यवस्था और आर्थिक विकास पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। मुलाकात का सबसे अहम मुद्दा था मैक्सिकन सरकार की विवादित माया ट्रेन परियोजना को ग्वाटेमाला और बेलीज तक बढ़ाने का प्रस्ताव। माया ट्रेन मैक्सिको के दक्षिणी हिस्से में चल रही एक मेगा परियोजना है, जिसका मकसद जंगल और ग्रामीण इलाकों को जोड़ना है। हालांकि, इस परियोजना को लेकर काफी विवाद रहा है क्योंकि यह कई संवेदनशील जंगलों और जल स्रोतों को नुकसान पहुंचा चुकी है।

पेरू के टुजिलो शहर में धमाका, 10 लोग घायल, 25 घरों को नुकसान

टुजिलो, एजेंसी। पेरू के उत्तरी इलाके टुजिलो में गुरुवार रात एक बड़ा धमाका हुआ, जिसमें कम से कम 10 लोग घायल हो गए और 25 घरों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों के मुताबिक, यह धमाका संगठित अपराध और फिरौती वसूलने वाले गिरोहों के आपसी झगड़े से जुड़ा हो सकता है। पेरू के गृह मंत्री कार्लोस मालेवर ने शुक्रवार को बताया कि यह धमाका अपराधी गिरोहों के बीच चल रहे विवाद का नतीजा हो सकता है। त्रुजिल्लो शहर में पिछले कुछ वर्षों में फिरौती और जबरन वसूली जैसे अपराधों में तेजी आई है।धमाके के कारण इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। स्थानीय आपातकालीन सेवा एजेंसी के अनुसार, घायलों को जलने और कटने जैसे गंभीर जख्म आए हैं, हालांकि उनकी स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है।

सीएटल में ज्वेलरी शॉप में 90 सेकंड में 2 मिलियन डॉलर की चोरी

सीएटल, एजेंसी। सीएटल के वेस्ट एरिया में दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शॉप में चार नकाबपोश चोरों ने सिर्फ 90 सेकंड में बड़ी चोरी को अंजाम दिया। चोर लगभग 20 लाख डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपये) के हीरे, लग्जरी घड़ियां, सोना और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, घटना गुरुवार को हुई। दुकान की सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि चोरों ने पहले हथौड़ों से दुकान का लॉक लगा कांच का दरवाजा तोड़ा और फिर छह डिस्प्ले केस को लूट लिया। इनमें से एक केस में करीब 7.5 लाख डॉलर (करीब 6 करोड़ रुपये) की रोलेक्स घड़ियां थीं और दूसरे में 1.25 लाख डॉलर (करीब 1 करोड़ रुपये) की एक पन्ना (एमराल्ड) की हार रखी थी। एक चोर ने स्टाफ को बेयर स्प्रे और टेजर (बिजली का झटका देने वाला हथियार) दिखाकर धमकाया, हालांकि किसी को चोट नहीं आई। दुकान के वाइस प्रेसिडेंट जोश मेनाशे ने बताया कि हम सब इस घटना से काफी सदमे में हैं। फिलहाल दुकान कुछ समय के लिए बंद रहेगी। उन्होंने कहा कि स्टाफ ने कांच साफ कर दिया है और अब सामान की पूरी लिस्ट बनाई जा रही है ताकि नुकसान का अंदाजा लगाया जा सके। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन चोर पहले ही एक गाड़ी में बैठकर भाग चुके थे और आसपास की तलाशी में भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रम्प-पुतिन के बीच 3 घंटे बैठक, कोई डील नहीं हुई

दोनों 12 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रवाना हुए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात अलास्का में मुलाकात की। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने सिर्फ 12 मिनट की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी बैठक बहुत सकारात्मक रही। हमने कई बिंदुओं पर सहमति जताई, लेकिन कोई डील नहीं हुई। कोई समझौता तभी होगा जब वह अंतिम रूप लेगा।ट्रम्प ने इस बैठक को 10 में से 10 अंक दिए। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि मीटिंग के बाद वाशिंगटन लौटते समय ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से लंबी बातचीत की। हालांकि, जेलेंस्की ने ट्रम्प-पुतिन की मुलाकात पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

ट्रम्प-पुतिन प्रेस ब्रीफिंग की अहम बातें:

- ट्रम्प-पुतिन में 3 घंटे क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी नहीं।
- 12 मिनट चली प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों नेताओं ने किसी पत्रकार के सवाल का जवाब नहीं दिया।
- ट्रम्प ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही, लेकिन अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ।
- पुतिन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए उसकी असल वजह को खत्म करना जरूरी।
- पुतिन ने कहा कि अगर 2022 में ट्रम्प राष्ट्रपति होते, तो यूक्रेन युद्ध नहीं होता।
- व्हाइट हाउस ने ट्रम्प-पुतिन की मुलाकात को बेहतरीन बताया
- व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्रम्प के हवाले से लिखा- हमने आज बेहतरीन प्रगति की, हमारी बैठक बेहद उपयोगी रही और कई चीजों पर सहमति बनी।
- ट्रम्प ने कैदियों की रिहाई पर कदम उठाने की बात कही

ट्रम्प ने अब फॉक्स न्यूज को बताया कि एक समझौता होने वाला है, और इसमें कैदियों की अदला-बदली भी शामिल हो सकती है। ट्रम्प कहते हैं, 'मैं 50/50 कहता हूं, क्योंकि बहुत सी चीजे हो सकती हैं। लेकिन मुझे लगता है कि राष्ट्रपति पुतिन समस्या का समाधान करना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि कैदियों के अदला-बदली की दिशा में प्रगति हो रही है। ट्रम्प बोले, 'आज उन्होंने मुझे एक किताब दी जिसमें हजारों कैदी के बारे में बताया गया है। हजारों कैदी, जिन्हें रिहा किया जाएगा।' फॉक्स न्यूज के सवाल पर कि क्या इस समझौते पर आज सहमति बन गई। इसपर ट्रम्प ने कहा कि यह अभी भी पेंडिंग है। ट्रम्प ने कहा, 'ठीक है, उन्हें इसे स्वीकार करना ही होगा।' हालांकि, ट्रम्प ने ये नहीं बताया कि यह किताब उन्हें किसने भेंट की, और कैदी रूसी थे या यूक्रेनी।

ट्रम्प ने पुतिन के साथ सहमति नहीं बन पाने का कारण बताने से इनकार कर दिया। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि पुतिन इसे पूरा होते देखना चाहते हैं। हालांकि, एक बड़ी बात पर सहमत होने से उन्होंने मना कर दिया। ट्रम्प ने बताया कि पुतिन ने ये बात मानी की अगर जंग के समय वो राष्ट्रपति होते तो ये जंग कभी होती ही नहीं। ट्रम्प ने कहा, 'यह युद्ध कभी नहीं होना चाहिए था। आप जानते हैं कि बहुत सारे युद्ध कभी नहीं होने चाहिए थे। ये बेवकूफी भरी बातें होती हैं।' ट्रम्प ने रूस के हमले को न रोक पाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को दोषी ठहराया।

ट्रम्प ने पुतिन से उनकी मुलाकात के बाद फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि हमारे बीच आज 'बहुत अच्छी बैठक' हुई। यह पूछे जाने पर कि पुतिन के साथ मीटिंग में कैसा माहौल था, इसपर ट्रम्प ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनके संबंध हमेशा से अच्छे रहे हैं। उन्होंने कहा- देखते हैं आगे क्या होता है। ट्रम्प बोले- मैं चाहता हूं कि लोग मरना बंद करें।

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने यूक्रेन और रूस में जंग के कारण बच्चों की खराब हालात पर एक लेटर लिखा है। ट्रम्प ने ये लेटर मुलाकात के दौरान पुतिन को सौंपा। अमेरिका के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की रिपोर्ट के अनुसार 2022 से अब तक रूस में 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। वहीं, यूक्रेन में ये आंकड़ा 3 लाख से ज्यादा हैं।

माया जंगल की रक्षा के लिए तीन देशों में समझौता, दुनिया के फेफड़े माने जाते हैं वर्षा वन

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको, ग्वाटेमाला और बेलीज के नेताओं ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे माया वर्षावनों की रक्षा के लिए एक त्रि-राष्ट्रीय प्राकृतिक आरक्षित क्षेत्र बना रहे हैं। इस बैठक में माया वन क्षेत्र में मेक्सिको रेल लाइन के विस्तार पर भी चर्चा हुई। पेड़ों की कटाई के चलते इस रेल लाइन प्रोजेक्ट की आलोचना हो रही है।

माया वर्षा वन आरक्षित क्षेत्र दक्षिणी मेक्सिको और ग्वाटेमाला और बेलीज के उत्तरी भागों के जंगली इलाकों में फैला होगा, जिसका क्षेत्रफल 1.40 करोड़ एकड़ से ज्यादा है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने इस कदम को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इससे लैटिन अमेरिका में अमेजन वर्षावन के बाद दूसरा सबसे बड़ा प्रकृति आरक्षित क्षेत्र बनेगा, जो दुनिया के लिए फेफड़े का काम करेगा और इससे प्रदूषण पर लगाम लगेगी।

ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो एरेवालो और बेलीज के प्रधानमंत्री जॉनी ब्रिसेनो के साथ समझौते पर हस्ताक्षर के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा, यह पृथ्वी के फेफड़ों में से एक है, हजारों प्रजातियों का घर है जिसकी एक अमूल्य सांस्कृतिक

विरासत है। हमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए संरक्षित करना चाहिए।

रेल लाइन प्रोजेक्ट पर विवाद : तीनों देशों के नेताओं ने मेक्सिको द्वारा दक्षिणी मेक्सिको से ग्वाटेमाला और बेलीज तक बनाए जा रहे माया ट्रेन प्रोजेक्ट पर भी चर्चा हुई। करीब हजार मील लंबी यह रेलगाड़ी वर्तमान में मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप तक चलती है, और इसका निर्माण मेक्सिको के लोकप्रिय रिसॉर्ट्स को ग्रामीण क्षेत्रों में सुदूर जंगलों और माया पुरातात्विक स्थलों से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया था। हालांकि इस पर खूब विवाद हुआ क्योंकि इस प्रोजेक्ट के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए और अनुमान है कि बीते चार वर्षों में इस प्रोजेक्ट के लिए 70 लाख पेड़ काटे गए हैं। साथ ही इस प्रोजेक्ट के चलते माया वन में संरक्षित क्षेत्रों को भी नुकसान पहुंचा।

मेक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम भी इस प्रोजेक्ट के समर्थन में हैं, लेकिन ग्वाटेमाला की सरकार ने साफ कर दिया है कि वे संरक्षित वन क्षेत्र में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं देंगे। ऐसे में बीच का रास्ता निकालने पर चर्चा हो रही है, जिसके तहत कोशिश की जा रही है कि रेल लाइन प्रोजेक्ट से वनक्षेत्र को कम नुकसान पहुंचे।

कोलंबिया से तनाव के बीच पेरू की राष्ट्रपति पहुंची अमेजन नदी द्वीप, क्षेत्र पर बताया अपने देश का अधिकार

लीमा, एजेंसी। हाल ही में कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सांता रोसा द्वीप पर पेरू के अधिकार क्षेत्र को अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद पेरू की राष्ट्रपति द्वीप पर पहुंची। यहां सुरक्षा बल प्रमुखों और संसद सदस्यों ने बोलुआर्टे और कैबिनेट मंत्रियों का स्वागत किया। जहां उन्होंने पेरू का राष्ट्रगान गाया और लोगों ने लाल और सफेद झंडे लहराए।

बोलुआर्टे ने कहा कि पिछले कई दिनों से ऐसी अस्वीकार्य गतिविधियां हो रही हैं जो हमारे दोनों देशों और सीमावर्ती समुदायों को जोड़ने वाले भाईचारे को प्रभावित कर रही हैं। पेरू की संप्रभुता पर कोई विवाद नहीं है। सांता रोसा डे लोरेटो पेरू का है और रहेगा। मंगलवार को पड़ोसी देशों के बीच तनाव तब और बढ़ गया जब पेरू पुलिस ने द्वीप पर भूमि सर्वेक्षण का काम कर रहे तीन कोलंबियाई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कोलंबिया सरकार ने गुरुवार को इन लोगों की तत्काल रिहाई की मांग की, क्योंकि पेरू के एक न्यायाधीश ने इनमें से एक व्यक्ति को रिहा कर दिया, जबकि अन्य दो को सात दिनों तक जेल में रहने का आदेश दिया। कोलंबिया के राष्ट्रपति पेट्रो ने इन गिरफ्तारियों को अपहरण बताया है। उनकी सरकार ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए लोग एक भूमि सर्वेक्षक और एक नाव चालक कोलंबियाई सीमावर्ती शहर लेटिसिया में एक घाट के विस्तार के लिए जल निकायों की गहराई मापने का अध्ययन कर रहे थे। पेरू के अधिकारियों ने कहा कि मजदूरों को यह माप करने का अधिकार नहीं था।

पांच अगस्त को पेट्रो के सांता रोसा द्वीप पर पेरू के अधिकार क्षेत्र से इनकार किए जाने के बाद से दोनों कोलंबियाई नागरिकों की गिरफ्तारी इस क्षेत्र में तीसरी घटना है। दो दिन बाद एक कोलंबियाई सैन्य विमान द्वीप के ऊपर से उड़ा और सोमवार को कोलंबियाई शहर मेडेलिन के पूर्व मेयर डैनियल क्विंटेरो ने वहाँ कोलंबियाई झंडा फहराया।

मैक्सिको दौरे पर जाएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी, मैक्सिकन राष्ट्रपति शीनबाम से करेंगे मुलाकात

टोरंटो, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सितंबर में मैक्सिको की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान कार्नी राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से मुलाकात करेंगे। यह बैठक अमेरिकी टैरिफ विवाद और 2020 के यूएसएमसीए ट्रेड डील की आगामी समीक्षा के मद्देनजर अहम मानी जा रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले महीने सितंबर में मैक्सिको की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वे मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से मुलाकात करेंगे। इस बात की जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को दी, हालांकि उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर जानकारी साझा की। यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब अमेरिका के पड़ोसी देश कनाडा और मैक्सिको अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) से जूझ रहे हैं और अगले साल यूएसएमसीए फ्री ट्रेड डील की समीक्षा की तैयारी कर रहे

हैं। यह व्यापार समझौता (यूएसएमसीए) 2020 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में लागू हुआ था।

समझिए टैरिफ का कनाडा और मैक्सिको पर असर

बता दें कि यूएसएमसीए समझौते के तहत जो वस्तुएं इस व्यापार समझौते के नियमों को पूरा करती हैं, उन पर अमेरिका का टैरिफ लागू नहीं होता। लेकिन ट्रंप ने कुछ खास क्षेत्रों के लिए अलग टैरिफ लगा रखे हैं, जिन्हें 232 टैरिफ कहा जाता है। इन टैरिफ के तहत स्टील और एल्यूमिनियम पर 50त्न शुल्क और ऑटोमोबाइल्स (गाड़ियों) पर 25त्न शुल्क लगाया गया है। इन टैरिफ का असर कनाडा और मैक्सिको दोनों देशों पर पड़ा है।

मैक्सिको के साथ व्यापार संबंध मजबूत करने की कोशिश

अपने मैक्सिको दौरे से पहले प्रधानमंत्री कार्नी पहले ही अपने विदेश मंत्री और वित्त मंत्री को क्लाउडिया शीनबाम से मिलने मैक्सिको भेज चुके हैं ताकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते और मजबूत हो सकें। इसके जवाब में राष्ट्रपति शीनबाम ने जून में कनाडा का दौरा किया था, जब त7 सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में आयोजित हुआ था।

हिलेरी क्लिंटन इस शर्त पर करेंगी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने चौंकाने वाला ऐलान किया है। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने की वकालत की है! लेकिन एक शर्त के साथ। उन्होंने कहा है कि अगर वे यूक्रेन के किसी भी क्षेत्र को बिना रूस को सौंपे सीजफायर करा देते हैं तो बेझिझक उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर देंगी। हिलेरी क्लिंटन ने यह टिप्पणी अलास्का के एंकोरेज में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की महत्वपूर्ण बैठक से कुछ घंटे पहले रेजिंग मॉडरेट्स में बात करते हुए कही। उन्होंने कहा, ÷अगर ट्रंप वास्तव में इस भयानक युद्ध का अंत यूक्रेन की भौगोलिक स्थिति में बिना बदलाव के करा सकें तो निश्चित तौर पर उनका नाम मैं नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर सकती हूं।÷

क्लिंटन ने कहा कि ट्रंप किसी मित्र से नहीं बल्कि ऐसे विरोधी से मिल रहे हैं, जो अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन का विनाश देखना चाहता है। हिलेरी क्लिंटन और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंदी रहे हैं। दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से शुरू हुई थी। उस चुनाव में ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन को हराया था। उस चुनाव प्रचार के दौरान क्लिंटन ने पुतिन जैसे सत्तावादी नेताओं के प्रति ट्रंप की प्रशंसा की खासी निंदा की थी। ट्रंप ने भी चुनाव प्रचार के दौरान क्लिंटन का मजाक उड़ाया था और विदेश मंत्री के रूप में उनके कार्य पर सवाल उठाए थे।

राजनीतिक मतभेद के बावजूद हिलेरी क्लिटंन का रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की स्थिति में ट्रंप को नोबेल के लिए समर्थन का वादा दिखाता है कि इसमें वह अमेरिका की जीत देखती हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का वादा किया है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध समाप्त करने की रूस की शर्त यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों पर दावा और पश्चिमी प्रतिबंधों की समाप्ति है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने किसी भी क्षेत्रीय रियायत को दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया है। ऐसे में रूस-यूक्रेन संघर्ष विराम आसान नहीं होने वाला है। शुक्रवार को अलास्का में हुए शिखर सम्मेलन के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही और हम यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के करीब पहुंच गए हैं। लेकिन, तत्काल युद्धविराम की घोषणा नहीं की गई। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने किसी ठोस समझौते से इनकार करते हुए कहा कि हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। ट्रंप ने कहा कि वह बैठक से संबंधित बातचीत की चर्चा यूरोपीय नेताओं से भी करेंगे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी बैठक को रचनात्मक और सम्मानजनक बताया।

पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने जेलेंस्की को किया कॉल, यूक्रेन के प्रेसिडेंट को तुरंत अमेरिका बुलाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मीटिंग खत्म होने के कुछ ही देर के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को फोन किया। उन्होंने शनिवार को पुतिन के साथ हुई अहम शिखर वार्ता की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें तुरंत अमेरिका आने के लिए कहा है। आपको बता दें कि जेलेंस्की की पिछला अमेरिका दौरा काफी खराब रहा था। वह बैठक बीच में ही छोड़कर निकल गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार जेलेंस्की जल्द ही फिर वॉशिंगटन की यात्रा पर जा सकते हैं।

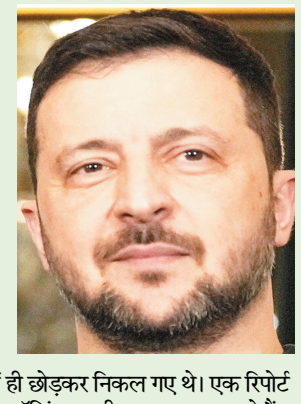

सूत्रों के मुताबिक जेलेंस्की का 18 अगस्त के ही अमेरिका जा सकता है। माना जा रहा है कि इस यात्रा का एजेंडा यूक्रेन युद्ध, अमेरिकी सहयोग और रूस पर दबाव बनाने की रणनीति होगा। आपको बता दें कि ट्रंप और पुतिन की मुलाकात अलास्का में आज ही हुई है, लेकिन वार्ता के बाद किसी ठोस समझौते का ऐलान नहीं किया गया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बाढ़ का कहर, मृतकों का आंकड़ा 300 के पार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुई बारिश ने तबाही मचा दी है। कई दिनों से हो रही मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं ने अब तक 300 से अधिक लोगों की जान ले ली है। प्रांतीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अचानक आई बाढ़ में 307 लोग मारे गए, जिनमें से बुनेर में कम से कम 184 लोगों की मौत हुई। शांगला में 36 लोगों की मौत हुई, जबकि मनसेहरा में 23, स्वात में 22, बाजौर में 21, बट्टाग्राम में 15, लोअर दीर में पांच, जबकि एबटाबाद में एक बच्चा डूब गया। शुक्रवार को आई विनाशकारी बाढ़ ने सड़कों, पुलों, इमारतों और बिजली प्रतिष्ठानों सहित बुनियादी ढांचे को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ के दौरान लापता हुए लोगों की संख्या का पता पानी कम होने के बाद ही चल पाएगा।

21 अगस्त तर भारी बारिश की संभावना : पीडीएमए ने नुकसान का

आकलन जारी रखते हुए बताया कि सात घर नष्ट हो गए और 38 क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें से ज्यादातर स्वात जिले में हैं। पीडीएमए ने आगे बताया कि तीन स्कूल नष्ट हो गए और तीन अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि प्रांत के विभिन्न हिस्सों में 21 अगस्त तक बारिश जारी रहेगी।

एक दिन के शोक की घोषणा : खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने शनिवार को एक दिन के शोक की घोषणा की है। इसमें बचाव अभियान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुए एमआई-17 हेलीकॉप्टर के चालक दल के पांच सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई, जो शहीद हो गए।

बुनेर जिले में आपातकाल घोषित : अचानक आई बाढ़ के बाद बुनेर जिले में बचाव दल की 1122 टीमों ने 300 स्कूली बच्चों समेत 2,071 फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। उपायुक्त काशिफ कय्यूम ने बताया कि आपदा प्रभावित इलाकों में राहत कार्य जारी रहने के कारण पूरे जिले में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

पर्यटकों के आने पर लगा प्रतिबंध : मनसेहरा में, पुलिस ने कघन घाटी के ऊपरी इलाकों में फंसे सात पर्यटकों को बचाया। वे सिमिक्सर झील घूमने आए थे, लेकिन बारिश और भूस्खलन के कारण फंस गए। पूरे दिन जिले में बारिश होती रही, जिससे सिंधु, सिरेन और कुनहर नदियां और उनकी सहायक नदियां खतरनाक रूप से उफान पर आ गईं। जिला प्रशासन ने सिरेन घाटी में पर्यटकों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सिंधु नदी में जल स्तर बढ़ने के कारण स्थानीय अधिकारियों द्वारा उचार नाला क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग पर आवाजाही प्रतिबंधित करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान के बीच यात्रा करने वाले यात्री और पर्यटक ऊपरी कोहिस्तान में फंस गए।

एबटाबाद शहर की सड़कें हुई जलमग्न : एबटाबाद शहर बुरी तरह प्रभावित हुआ, लगभग सभी मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। पीएमए काकुल रोड, मीरपुर मेडियन रोड, सप्लाई रोड, काराकोरम हाईवे, सेठी मस्जिद रोड, इकबाल रोड, बांदा दलाजक, बांदा खैर अली खान रोड, त्रकाना और सिएना लैबोरेटरी के पास लिंक रोड सहित प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं।

निचले दीर में बाढ़ के पानी से बिजली हुई ठप : निचले दीर के कंबट और शाही इलाकों के दूसरी तरफ पानी का बहाव तेज होने के कारण शाही इलाके में 25 से ज्यादा पर्यटक और उनके वाहन फंस गए। फ्रंटियर कोर 181 विंग, रेस्क्यू 1122 और जिला प्रशासन के जवानों ने उन्हें बाहर निकाला। बाढ़ का पानी 132 किलोवाट ग्रिड स्टेशन में घुस गया, जिससे 41 फीडर ट्रिप हो गए और पूरे क्षेत्र में बिजली का प्रसारण पूरी तरह ठप हो गया। मालम जब्बा को बिजली आपूर्ति करने वाला फीडर भी जलमग्न हो गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। अचानक आई बाढ़ में कई बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर भी बह गए।

बिजली आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी : संघीय ऊर्जा मंत्री अवैस अहमद लघारी के निर्देश पर, पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी ने बिजली आपूर्ति बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। कंपनी ने पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की है और क्षेत्रीय कार्यों में सहयोग के लिए ट्रांसफार्मर, खंभे, केबल और भारी मशीनें भेजी हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाबालिग बेटे ने पिता को चाकू मारकर मौत के घाट उतारा

प्रेम संबंध की आशंका में बात बिगड़ते ही रसोई से चाकू लाकर किया हमला,पिता की घटनास्थल पर ही मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक नाबालिग बेटे ने अपने पिता के दूसरी महिला से संबंध होने के शक में उनकी निर्मम हत्या कर दी। इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सचिन जीआईडीसी के पाली गांव में रहने वाले चेतक राठौड़ की उनके ही बेटे ने चाकू मारकर हत्या कर दी। बेटे को शक था कि उसके पिता का पड़ोस में रहने वाली एक महिला के साथ प्रेम संबंध है। इसी बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। शुक्रवार रात फिर से इसी मुद्दे पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

बात इतनी बिगड़ गई कि गुस्से में आए नाबालिग बेटे ने रसोई से चाकू उठाकर अपने पिता पर जानलेवा हमला कर दिया।

हमले में चेतक राठौड़ को गंभीर चोटें आईं और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सचिन जीआईडीसी पुलिस का दल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। वहीं पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया और आगे की जांच शुरू कर दी है।

80 सेकंड में 60 चाकू के वार कर हत्या करवाने वाला गिरफ्तार

सूरत पुलिस फ्लैट पर पहुँची तो पत्नी ने दरवाजा खोला और पति ने किया हमला, पुलिस ने पैर में गोली मारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 1 अगस्त की देर रात करीब 12:30 बजे लिम्बायत इलाके में कपड़ा दलाल आलोक अग्रवाल की 60 से ज्यादा चाकू के वार कर हत्या कर दी गई थी। तीन हमलावरों ने तीन चाकुओं से 80 सेकंड में 60 से ज्यादा वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में सूरत पुलिस ने सुपारी देने वाले मुख्य आरोपी असफाक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब तक कुल 6 आरोपियों को पकड़ चुकी है।

जब पुलिस टीम असफाक को पकड़ने फ्लैट पर पहुँची, तो उसकी पत्नी ने दरवाजा खोला। तभी आरोपी ने पुलिस पर चाकू से हमला कर दिया। हालांकि पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की और गोली आरोपी के पैर में लगी। घायल आरोपी को इलाज के बाद सूरत लाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि यह हत्या निजी रंजिश का नतीजा थी। मृतक आलोक अग्रवाल का असफाक से झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान आलोक ने असफाक को थप्पड़ मारा था। उसी का बदला लेने के लिए असफाक ने अपने दोस्तों को आलोक की हत्या की सुपारी दी थी। निर्मम हत्या के दौरान आरोपियों ने आलोक अग्रवाल की उंगलियाँ भी काट दी थीं। पुलिस पूछताछ में यह खुलासा हुआ।

हत्या के बाद असफाक फरार हो गया था। क्राइम ब्रांच ने उसे पकड़ने के लिए मालेगांव, नंदुरबार, चीखली, नवसारी जैसे इलाकों में छापेमारी की। अंतत: PSI जे.एन. गोस्वामी को सूचना मिली कि असफाक वापी-वापी ग्रामीण इलाके में छुपा है। बारीक छानबीन के बाद क्राइम ब्रांच की टीम वापी के डूंगरा अमनपार्क अपार्टमेंट में पहुँची। तलाशी के दौरान असफाक बंद कमरे में छुपा मिला।

जब पुलिस ने दरवाजा खटखटाया तो उसकी पत्नी ने दरवाजा खोला और उसी वक्त असफाक ने पुलिस पर चाकू से हमला किया। आत्मरक्षा में PI ने फायरिंग की, जिससे आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक इलाज के बाद क्राइम ब्रांच, सूरत लाया गया।

असफाक के खिलाफ पहले से दंगा और मारपीट समेत 7 मामले दर्ज हैं। आलोक अग्रवाल की हत्या की सुपारी उसने अपने करीबी अबरार लस्सी को दी थी। इस सुपारी के लिए कोई तय रकम नहीं दी गई थी क्योंकि अबरार उसका खास आदमी था। पुलिस ने आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अपराधियों की सूची तैयार की है।

असफाक उर्फ कौवा को 15 अगस्त 2025 को क्राइम ब्रांच ने लिम्बायत मेट्रिक्स-3 के पास से पकड़ा। उसके पास से एक देसी कट्टा भी बरामद हुआ। उसके खिलाफ गुजरात पुलिस अधिनियम की धारा 135 के तहत कार्रवाई की गई है।

मुख्य आरोपी

असफाक उर्फ कौवा (कुंवारबा रोड, रेहम एस्टेट के पास, सूरत)

आपराधिक इतिहास

जहांगीरपुरा पुलिस स्टेशन - दंगा
लिम्बायत पुलिस स्टेशन - दंगा
चौथाण पुलिस स्टेशन - दंगा
लिम्बायत पुलिस स्टेशन -

पुलिस पर हमला

लिम्बायत पुलिस स्टेशन - मारपीट
लिम्बायत पुलिस स्टेशन - मारपीट
इसके अलावा लूट, शराब तस्करी और जानलेवा हमले जैसे कई मामलों में संलिप्तता

पहले से गिरफ्तार आरोपी

अबरार उर्फ अबरार लस्सी उर्फ मानसिक मोहम्मद इब्राहीम उर्फ जुगनू शेख
हदपक सरजू सिंह
भगवान मगलुभाई स्वाई
रमजान उर्फ पाडा सरदार शेख
अफसर उर्फ बोका हामिन खान

सहारा दरवाजा के पास युवक का गला काटकर हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सहारा दरवाजा उमरवाड़ा टेकरी रेलवे नाले के पास ओवरब्रिज के नीचे 18 वर्षीय राजा केतनभाई राठौड़ अपने दो दोस्तों के साथ सो रहा था। तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने उस पर हमला कर गले पर चाकू से दो वार कर उसकी गला काटकर हत्या कर दी। परिवार को खबर मिलते ही वे दौड़े चले आए। युवक को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, 18 वर्षीय राजा सरदार मार्केट में मजदूरी कर परिवार की आर्थिक मदद करता था। 15 अगस्त की रात राजा अपने दोस्तों के साथ गया था और फिर वहीं सो गया था। इसी दौरान उसकी हत्या कर दी गई। मृतक राजा की माँ आशाबेन ने कहा, ''मुझे अब सिर्फ न्याय चाहिए, मुझे और कुछ नहीं चाहिए। मैं बहुत गरीब हूँ और मेरे बच्चों के सिवाय मेरा कोई सहारा नहीं है।''

ड्रग्स माफिया से जुड़ी सबाना खान की रैकेट में संलिप्तता

सहारादरवाजा इलाके में प्लास्टिक की छोटी थैलियों में मेफेड्रोन सप्लाई करती सबाना समेत तीन गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में ड्रग्स सप्लाई करने वाली महिला सबाना खान फ सबु फिरोज खान पठान की गिरफ्तारी से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सूरत LCB ज़ोन-1 की टीम ने सबाना खान समेत तीन आरोपियों को मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ पकड़ा है। जांच में सामने आया कि सबाना कुख्यात ड्रग्स माफिया इमरान खाटकी की मौसी की बेटी है।

पुलिस के अनुसार, सबाना खान, अंसार उर्फ अनु खलील शेख और गजेंद्र लाला सिंह नेगी सहारा दरवाजा इलाके में प्लास्टिक की छोटी थैलियों में मेफेड्रोन सप्लाई करते थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी रखी और तीनों को रंगेहाथ पकड़ लिया।

उनकी तलाशी में 4 लाख का ड्रग्स और अन्य सामान मिला, कुल मिलाकर 5.07 लाख का मुद्दामाल जब्त किया गया।

पूछताछ में सबाना ने कबूल किया कि वह ड्रग्स माफिया इमरान खाटकी की मौसी की बेटी है और उसी के लिए ड्रग्स सप्लाई करती थी। अंसार शेख और गजेंद्र सिंह भी इमरान के लिए बतौर कर्मचारी काम करते थे। गजेंद्र को रोजाना 800 की मजदूरी मिलती थी। ड्रग्स का यह जखीरा इमरान मुंबई से लाया था, जिसे सबाना और उसके साथी सूरत में छोटे पैकेट में बेचते थे।

सूरत बना मिनी महाराष्ट्र

35 फीट ऊँची दहीहांडी पहली ही कोशिश में फोड़कर गोविंदा मंडल ने बनाया रिकॉर्ड

पूरे शहर में 3000 से ज्यादा कार्यक्रम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में इस साल श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर दहीहांडी उत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसने शहर को 'मिनी महाराष्ट्र' का रंग दे दिया। गुजरात के इतिहास में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर दहीहांडी का आयोजन किया गया। मोराबागल, लिम्बायत और भागल चार रास्ता पर 35 फीट ऊँची दहीहांडियाँ बांधी गईं। हजारों लोगों की मौजूदगी में गोविंदा मंडलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शहर को यादगार पल दिए।

इस बार भी सूरत में महाराष्ट्र की तरह दहीहांडी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। शहर के 143 गोविंदा मंडलों ने इसमें भाग लिया और सुबह से ही अपने-अपने क्षेत्रों में मटकी फोड़ कार्यक्रम किए। शहर के तीन प्रमुख स्थानों पर विशेष आयोजन हुआ। सबसे बड़ा आयोजन भागल चार रास्ता पर हुआ, जो 1996 से दहीहांडी उत्सव का केंद्र रहा है। यहाँ पाँच मटकियाँ फोड़ी गईं, जिसमें महिला मंडलों ने भी हिस्सा लिया। यह इस उत्सव की खासियत रही।

इस साल 143 गोविंदा मंडलों ने शहरभर में 3,000 से ज्यादा दहीहांडियाँ फोड़कर जन्माष्टमी का उत्सव मनाया। सबसे आश्चर्यजनक दृश्य तब सामने आया जब मोराबागल, लिम्बायत और भागल चार रास्ता पर लगी 35 फीट ऊँची दहीहांडी को गोविंदा मंडलों ने पहली ही कोशिश में फोड़ दिया। यह नजारा इतना शानदार था कि लोगों को लगा मानो वे मुंबई के किसी बड़े उत्सव का हिस्सा हों।

पहली बार 15 साल के किशोरों के लिए विशेष दहीहांडी का आयोजन हुआ, जिससे युवा वर्ग में भी जबरदस्त उत्साह देखा गया। महिला मंडलों ने भी उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरा माहौल ढोल-नगाड़ों और 'लेज़ीम' की धुन पर गोविंदाओं के उत्साह से गूंज उठा। ड्रोन कैमरे से पूरे आयोजन को कैद किया गया, जिसमें हजारों लोगों और मंडलों का जोश साफ नजर आया।

दहीहांडी फोड़ने वाले मंडलों को 25 हजार रुपये से लेकर सवा लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार दिए गए। इस आयोजन में केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल भी तीनों स्थानों पर मौजूद रहे और उत्सव में भाग

अग्रवाल विद्या विहार में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विद्या विहार के परिसर में 79वां स्वतंत्रता दिवस शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात अध्यक्ष संजय सरावगी, तत्काल पूर्वाध्यक्ष सुभाष बंसल, उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, संयुक्त सचिव बालकिशन अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष कमल टाटनवाला एवं विद्यालय के चारों सदन, स्काउट-गाइड, विद्यालय और महाविद्यालय के एन.सी.सी. विद्यार्थियों द्वारा तिरंगे को सलामी दी गई । विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत- प्रोत अत्यंत जोश एवं उल्लास के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे- स्वागत एवं सामूहिक नृत्य, सामूहिक गीत, कविता, एकांकी एवं भाषण प्रस्तुत कर सभी का मन मोहकर देश के प्रति अपना प्यार प्रदर्शित किया । अंत में अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने अपने उद्बोधन में छात्रों से देश के प्रति समर्पित रहने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया तथा छात्रों को शिक्षा के महत्व और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का अंत राष्ट्रीय गीत से हुआ।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर भक्तों की लगी भारी भीड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गयी। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि इस अवसर पर सम्पूर्ण मंदिर को सजाया गया एवं बाबा श्याम, शिव परिवार एवं सालासर दरबार का विशेष श्रृंगार किया गया। जन्मोत्सव के मौके पर रात्रि साढ़े दस बजे दरबार के पट बंद किये गए एवं मध्यरात्रि बारह बजे जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर बाबा को मिल्क केक का भोग लगाया गया। मंदिर प्रांगण में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी जो देर रात तक लगातार लगी रही। इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा सभी भक्तों को फल, चॉकटेल, विशेष प्रसाद पंजीरी का वितरण किया गया। जन्मोत्सव के मौक़े पर ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला एवं बसंत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष केदारनाथ अग्रवाल, सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें। आयोजन के अंत में ट्रस्ट द्वारा सुंदर व्यवस्था के लिए सभी व्यवस्था समितियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

जुआ अड्डे पर फिल्मी स्टाइल में रेड

PCR वैन की जगह पुलिस टीम मजदूर बनकर टेम्पो से पहुंची 7 जुआरियों को रंगेहाथ पकड़ा और टेम्पो में ही ले आई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में उधना पुलिस की एक अनोखी कार्रवाई सामने आई है। मगदल्ला गांव के ओवारा इलाके में चल रहे एक जुआ अड्डे पर पुलिस ने फिल्मी अंदाज में छापा मारकर 7 जुआरियों को पकड़ लिया। खास बात यह रही कि PCR वैन की जगह पुलिस टीम मजदूरों का वेश बनाकर टेम्पो से पहुंची और जुआरियों को उसी टेम्पो में बैठाकर थाने ले आई।